इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



03
फिर लुढ़कर गए सोने-चांदी के दाम



04
सीतारमण ने अर्थशास्त्रियों के साथ की पहली प्री-बजट बैठक

youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, मंगलवार, 17 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 59, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

ग्वालियर हाईकोर्ट ने प्राधिकरण के पुनर्गठन को माना वैध

MP में अंतरराज्यीय बस सेवाओं का रास्ता साफ

मृदुभाषी। भोपाल

मध्यप्रदेश में अंतरराज्यीय बस सेवाओं के सुगम संचालन और नए परिवहन मार्गों के विस्तार में आ रही कानूनी अड़चनें दूर हो गई हैं। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने राज्य परिवहन प्राधिकरण के पुनर्गठन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए राज्य शासन की 10 अगस्त 2026 की अधिसूचना को पूरी तरह वैध और विधिसम्मत ठहराया है।

इस महत्वपूर्ण फैसले के साथ ही प्राधिकरण के कामकाज पर लगी अंतरिम रोक भी समाप्त हो गई है। अब राज्य परिवहन प्राधिकरण अपनी वैधानिक शक्तियों का उपयोग करते हुए नए परमिट जारी करने, पुराने परमिटों के नवीनीकरण और नए मार्गों के निर्धारण सहित सभी लंबित कार्यों को गति दे सकेगा।



रुकी हुई प्रशासनिक प्रक्रियाएं होंगी शुरू

हाईकोर्ट के इस निर्णय से प्रदेश के परिवहन क्षेत्र में रुकी हुई प्रशासनिक प्रक्रियाएं फिर से शुरू हो सकेंगी। अब प्राधिकरण नए स्थायी और अस्थायी परिवहन परमिट जारी करने, पुराने परमिटों के नवीनीकरण, प्रतिहस्ताक्षर, मार्ग विस्तार और परमिट में अनुमत वाहनों के प्रतिस्थापन जैसे महत्वपूर्ण कार्य कर सकेगा। इसके अतिरिक्त, नियमों का उल्लंघन करने पर परमिटों के निलंबन और निरस्तीकरण तथा परिवहन सेवाओं के प्रभावी विनियमन की कार्रवाई भी संभव हो पाएगी। एक से अधिक परिवहन क्षेत्रों में विस्तारित मार्गों का गठन, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरणों के बीच बेहतर समन्वय और उनके आपसी विवादों का निराकरण भी प्राधिकरण द्वारा किया जा सकेगा।

पांच पड़ोसी राज्यों के लिए अंतरराज्यीय बस सेवाओं के संचालन में मिलेगी बड़ी सुविधा: इस फैसले का सबसे बड़ा और सीधा लाभ अंतरराज्यीय यात्रियों और बस ऑपरेटरों को मिलेगा। प्राधिकरण के कामकाज पर रोक लगे होने के कारण पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के लिए नए अंतरराज्यीय बस परमिट जारी करने और पुराने परमिटों के नवीनीकरण की प्रक्रिया ठप पड़ी थी। प्राधिकरण के पुनः क्रियाशील होने से मध्यप्रदेश और इन पांचों राज्यों के बीच हुए पारस्परिक परिवहन करारों के तहत निर्धारित मार्गों पर परमिट जारी करने का काम शुरू हो सकेगा, जिससे प्रदेश के बस ऑपरेटरों को इन राज्यों तक नियमित बस सेवाएं संचालित करने में बड़ी सुविधा मिलेगी।

प्रदेश के सात संभागीय क्षेत्रों में 280 नए अंतर्क्षेत्रीय मार्गों पर बसें चलने का मार्ग प्रशस्त

अंतरराज्यीय मार्गों के साथ-साथ प्रदेश के भीतर भी यात्री परिवहन सुविधाओं का बड़ा विस्तार होने जा रहा है। 'मध्यप्रदेश सुगम परिवहन सेवा' के अंतर्गत राज्य के सात प्रमुख संभागीय क्षेत्रों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सागर और उज्जैन में कुल 280 नए अंतर्क्षेत्रीय मार्गों का सूत्रीकरण किया जाना प्रस्तावित है। हाईकोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद अब इन सभी 280 मार्गों के निर्धारण और उन पर नई बस सेवाएं शुरू करने की योजना को धरातल पर उतारने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है, जिससे प्रदेश के लाखों यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दो टूक

युवा अब नौकरी मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें

मृदुभाषी। खंडवा

'प्रदेश का युवा अब नौकरी के पीछे भागने वाला नहीं, बल्कि अपने हुनर और उद्यम से दूसरों को रोजगार देने वाला बनेगा।' यह हुंकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा की पावन धरा से भरी। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय 'जनजातीय गौरव दिवस' सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि वर्तमान युग एआई, डेटा सेंटर और आधुनिक उद्योगों का है, जिसमें युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर हैं।

खंडवा पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सबसे पहले नगर निगम के नवनिर्मित अत्याधुनिक पांच मंजिला कार्यालय भवन का फीता काटकर और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर लोकार्पण किया। लगभग 17 करोड़ रुपए (16.97 करोड़) की लागत से 30 हजार वर्गफीट भूमि पर बने इस भव्य भवन में अब नागरिकों को एक ही छत के नीचे 22 काउंटर और 80 कक्षों के जरिए तमाम आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास के पन्नों में स्वाधीनता संग्राम के इन वीर नायकों को वह स्थान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने उनके शौर्य और बलिदान को अमर करने के लिए गौरव दिवस मनाने, स्मारक और विवि खोलने की पहल की है।



इतिहास के गुमनाम नायकों को दिलाया उनका सच्चा सम्मान: जनजातीय गौरव दिवस सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महज 25 साल की अल्पायु में अंग्रेजों के दांत खट्टे करने वाले भगवान बिरसा मुंडा अपने कर्म और आदर्शों के बल पर इतिहास में 'इंसान से भगवान' बन गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2021 से 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की शुरुआत हुई।

किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए बड़े ऐलान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से जुटी है। खेती-किसानी को लाभ का धंधा बनाने के लिए दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। 'डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना' के तहत 25 पशुओं की डेयरी खोलने पर 13 लाख रुपए से अधिक का अनुदान दिया जा रहा है, वहीं एक-दो गाय पालने वाले किसानों को भी प्रतिमाह 1,000 रुपए की सहायता दी जा रही है। लाड़ली बहनों के जिक्र पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों को हर महीने आर्थिक मदद तो मिल ही रही है, लेकिन जो बहनें रोजगार आधारित उद्योगों में काम करेंगी, उनके वेतन में राज्य सरकार अपनी तरफ से 5,000 रुपए प्रति माह की अतिरिक्त मदद देगी। वर्ष 2027 को 'युवा वर्ष' घोषित करते हुए उन्होंने ऐलान किया कि अगले साल एमपी पीएससी की परीक्षा साल में दो बार आयोजित होगी और दो लाख नए पदों पर युवाओं की भर्ती की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्तियों के अधिकार को पुख्ता करने के लिए 'मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना' के तहत मुफ्त रजिस्ट्री की सुविधा भी दी जा रही है। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायकगण और बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि व दूर-दूर से आए जनजातीय बंधु उपस्थित रहे।

बिलकिस बानो केस के दो दोषियों की उम्रकैद सस्पेंड

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को जमानत दे दी है।

कोर्ट ने उनकी सजा पर निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने दोनों दोषियों बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिंया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। एक



दोषी का नाम FIR में नहीं था और घटना के करीब 3 साल बाद उसे इस मामले में आरोपी बनाया गया था। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि निचली अदालत और हाईकोर्ट दोनों मामले से जुड़े सबूतों पर विचार कर चुके हैं। अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों को राहत नहीं मिलनी चाहिए।

बोलीं- बच्चे ही बन गए थे मेरे माता-पिता

राजीव को खोकर टूट गई थीं सोनिया गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की जिंदगी के कई अनछुए पहलू सोमवार को उस समय सामने आए, जब दिल्ली में उनकी किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' का औपचारिक लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सोनिया गांधी के जीवन पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म से हुई। फिल्म में जिंदगी के पुराने पन्ने और परिवार से जुड़ी यादें देखकर सोनिया भावुक हो गईं। उन्होंने अपने पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को खोने के बाद के कठिन दौर को याद करते हुए कहा कि राजीव के जाने के बाद वह पूरी तरह टूट गई थीं। उस मुश्किल वक्त में राहुल और प्रियंका ने उन्हें



संभाला। सोनिया ने भावुक होकर कहा कि उनके बच्चों ने ही उस समय माता-पिता की तरह उनकी देखभाल की। कार्यक्रम में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहे। इसके अलावा तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरलम और कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। किताब 10 नवंबर को बाजार में आ चुकी थी, जबकि सोमवार को इसका विशेष लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी के साथ अपने प्रेम और शुरुआती दिनों की यादें साझा करते हुए उस रिश्ते को जादुई बताया। उन्होंने कैम्ब्रिज में पहली मुलाकात, राजीव के भारत लौटने और खुद के इटली वापस जाने के दौरान दोनों के बीच आई दूरी को याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय एक-दूसरे को लिखे गए पत्र आज भी उनकी जिंदगी की बेहद प्यारी यादों में शामिल हैं। अलग-अलग देशों में रहने के बावजूद दोनों का रिश्ता पत्रों और भावनाओं के जरिए लगातार मजबूत होता गया।

सुप्रीम कोर्ट में तीखी बहस

नाराज वकील ने सीजेआई के खिलाफ की टिप्पणी



नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च न्यायालय में सोमवार दोपहर एक हैरान करने वाला मामला सामने आया, जब एक वकील ने सुनवाई जल्द करने की मांग को लेकर चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत के साथ तीखी बहस की और उन पर गंभीर टिप्पणियां कर दीं। यह घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे की है। CJI सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी मौजूद थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले में जल्द सुनवाई चाहते थे। वकील ने तय प्रक्रिया के बिना अपना मामला बेंच के समक्ष रखने के लिए पहले माफी मांगी, जिस पर जस्टिस वी. मोहना ने स्पष्ट किया कि वे इस तरह से मामले का जिक्र नहीं कर सकते। इसके बाद CJI सूर्यकांत ने वकील से संयम रखने को कहते हुए कहा कि वे उनके आवेदन को देखेंगे और थोड़ा इंतजार करें। सीजेआई की इस बात पर वकील भड़क गए और उन्होंने नाराजगी जताते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। हालांकि, इस दौरान वकील ने बेंच में मौजूद अन्य दोनों न्यायाधीशों जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना के प्रति सम्मान भी प्रदर्शित किया। वकील द्वारा की गई इस अप्रत्याशित टिप्पणी के तुरंत बाद अदालत की कार्यवाही का लाइव ऑडियो-वीडियो प्रसारण बंद कर दिया गया।

रक्षा क्षेत्र की सुरक्षा पर विदेशी जासूसी का नया खतरा



नई दिल्ली। भारतीय रक्षा क्षेत्र की संवेदनशील जानकारियों को हासिल करने के लिए विदेशी जासूसी नेटवर्क ने अपने तरीके बदल लिए हैं। चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने आगाह करते हुए कहा है कि विदेशी एजेंसियां अब केवल पारंपरिक 'हनी ट्रैप' तक ही सीमित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि जासूसी नेटवर्क अब सोशल मीडिया पर प्यार के जाल में फंसाने के साथ-साथ मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में उलझाकर भी जवानों व अधिकारियों से गोपनीय जानकारी निकलवाने का प्रयास कर रहे हैं।

अमलतास अस्पताल के डॉक्टरों का कमाल | **65 साल की महिला का दुर्लभ ऑपरेशन**

महिला के पेट से निकाला 26 किलो का दुर्लभ ट्यूमर

मृदुभाषी। देवास

विज्ञान और चमत्कार के बीच की बारीक लकीर को पार करते हुए देवास-उज्जैन मार्ग स्थित अमलतास सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टरों ने चिकित्सा जगत में एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया है।

अस्पताल के विशेषज्ञ सर्जन्स ने एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला के पेट से 26 किलोग्राम वजनी एक ऐसा विशाल और दुर्लभ ओवेरियन ट्यूमर (अंडाशय का कैंसर) सफलतापूर्वक बाहर निकाला है, जिसका वजन ढाई-ढाई किलो के लगभग 10 नवजात शिशुओं के कुल वजन के बराबर था! कल्पना कीजिए कि किसी इंसान के भीतर यदि इतने भारी-भरकम वजन का कोई अतिरिक्त भार पल रहा हो, तो उसकी शारीरिक स्थिति क्या होगी। इस विशाल गठान के भयंकर दबाव के कारण महिला दर्द से इस कदर तड़प रही थी कि न तो वह ठीक से बैठ पा रही थी और न ही अपने पैरों पर खड़ी हो सकती थी। स्थिति इतनी भयावह थी कि उस महिला के लिए सामान्य सांस लेना भी एक जंग बन चुका था। जब मरीज अत्यंत नाजुक हालत में अमलतास अस्पताल पहुंची, तो डॉक्टरों की टीम ने बिना एक पल गंवाए मोर्चा संभाल लिया। मामला बेहद जटिल और जोखिम भरा था, क्योंकि जरा सी चूक मरीज की जान पर भारी पड़ सकती थी।



आयुष्मान भारत योजना का वरदान: अमलतास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एमसीएच सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. उमेश जेठवानी और उनकी टीम ने अपनी आधुनिक चिकित्सकीय कुशलता का परिचय देते हुए एक कठिन और लंबी 'साइटोरिडक्टिव सर्जरी' को सफलता के मुकाम तक पहुंचाया। डॉक्टरों ने बिना किसी अंदरूनी अंग को नुकसान पहुंचाए, उस 26 किलो के दानवाकार ट्यूमर को शरीर से पूरी तरह अलग कर दिया। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि लाखों रुपए खर्च होने वाले इस अत्यंत जटिल और महंगे ऑपरेशन को 'आयुष्मान भारत योजना' के अंतर्गत पूरी तरह निःशुल्क संपन्न किया गया।

चिकित्सकीय टीम के अथक प्रयासों से महिला को मिली नई जिंदगी, अपने पैरों पर खड़ी होकर मुस्कुरा रही मरीज: इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी में डॉ. रजत, डॉ. कौशल और डॉ. शफक ने सहायक सर्जन के रूप में अहम भूमिका निभाई, जबकि एनेस्थीसिया विभाग की टीम ने ऑपरेशन के दौरान मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित करने में बेहतरीन योगदान दिया। सफल ऑपरेशन के बाद अब वह महिला पूरी तरह स्वस्थ है और अपने पैरों पर खड़ी होकर मुस्कुरा रही है।

अमलतास समूह के नेतृत्व ने पूरी टीम को दी बधाई, महानगरों के चक्कर काटने से मरीजों को मिल रही है राहत

अमलतास समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश सिंह भदौरिया एवं चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया ने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरी चिकित्सा टीम को बधाई दी। चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया ने गर्व के साथ कहा, अमलतास अस्पताल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यहां असंभव को भी संभव बनाया जाता है। हमारा संकल्प है कि मालवा-निमाड़ और पूरे प्रदेश के किसी भी मरीज को गंभीर इलाज के लिए महानगरों के चक्कर न काटने पड़ें। हर जरूरतमंद का बेहतरीन इलाज और उसकी चेहरे की मुस्कान ही हमारे लिए सर्वोपरि है।

सीआरपीएफ फायरिंग करने वाले आतंकी ढेर

मृदुभाषी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के लारू इलाके में सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ के दौरान पांच दिन पहले सीआरपीएफ पोस्ट पर हमला करने वाले दो कुख्यात आतंकियों को मार गिराया है। इस आतंकी हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे।

कश्मीर जोन पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने उमर का शव बरामद कर लिया है, जबकि लतीफ के शव की तलाश के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है, क्योंकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में उसके घायल होकर छिपे होने की



आशंका जताई गई है। सेना के एक अधिकारी के अनुसार, आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी की थी। तलाशी अभियान के दौरान जब सुरक्षाबल संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचे, तो वहां छिपे आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों ओर से जवाबी कार्रवाई हुई और करीब तीन घंटे चली भीषण मुठभेड़ के बाद दोनों आतंकियों को ढेर कर दिया गया।

अंबिकापुरी में दूषित पानी का संकट, 3 साल से सुनवाई नहीं

लोगों में भागीरथपुरा-2 का खौफ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 36 लोगों की मौत की दर्दनाक त्रासदी को अभी सालभर भी नहीं बीता है और शहर के अंबिकापुरी गली नंबर-3 में ठीक वैसे ही भयावह हालात बनने लगे हैं।

यहां ड्रेनेज का गंदा पानी घरों के बाहर सड़कों पर बह रहा है और सीवरेज का रिसाव सीधे नलों, बोरिंग तथा पानी की टंकियों तक पहुंच रहा है। पिछले तीन सालों से इस गंभीर समस्या से जूझ रहे रहवासियों ने नगर निगम और सीएम हेल्पलाइन पर कई शिकायतें कीं, लेकिन स्थायी समाधान न होने से लोगों में भारी आक्रोश है। रहवासियों का गंभीर और बड़ा सवाल है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है और इस इलाके



को भी 'भागीरथपुरा-2' बनने के बाद ही जागेगा।

दीपावली के पहले से गंभीर समस्या

हालात इतने बदतर हैं कि दीपावली के पहले से ही लोग घर में खाना बनाने तक के लिए इस पानी का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। रहवासी भूपेंद्र वर्मा, पुष्पकुमार और अमित यादव ने बताया कि सुबह करीब 15 मिनट तक नल का गंदा पानी सड़क पर बहाने के बाद ही थोड़ा साफ पानी आता है। रहवासी महिलाओं का कहना है कि पानी साफ करने के लिए फिटकरी और ब्लीचिंग पाउडर डालने के बावजूद इसके इस्तेमाल से त्वचा पर एलर्जी और अन्य बीमारियां हो रही हैं, जिससे डॉक्टरों का खर्च बढ़ गया है। तीन बार नल और बोरिंग सुधरवाने के बाद भी लोगों को पीने के लिए बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है। शुगर और पैरालिसिस से पीड़ित बुजुर्ग लक्ष्मीनारायण व्यास जैसे कई परिवार इस दूषित पानी की वजह से बेहद परेशान हैं।

टैंकर भेजकर कराई जा रही सफाई

एमआईसी मेंबर और क्षेत्रीय पार्षद अश्विनी शुक्ल का कहना है कि इलाके में रोजाना टैंकर भेजकर सफाई कराई जा रही है, लेकिन स्थायी समाधान में दो से तीन महीने का समय लगेगा। उन्होंने बताया कि 60 फीट रोड पर बड़ी लाइन डाली जा चुकी है, जिसे रानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा के पास प्लांट तक जोड़ा जाएगा। अब अंबिकापुरी की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए करीब 28 से 30 लाख रुपए की लागत से उल्टे ढाल से नई लाइन डाली जाएगी। हालांकि, तीन साल से परेशान रहवासी चाहते हैं कि काम तय समयसीमा में पूरा हो और तब तक स्वच्छ पेयजल की पुख्ता व्यवस्था की जाए।

'इंदौर ट्रैफिक साथी' ऐप एवं ट्रैफिक हेल्पलाइन पर नागरिकों की बढ़ती भागीदारी

इंदौर। यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा संचालित इंदौर ट्रैफिक साथी एप्लीकेशन एवं व्हाट्सऐप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 के माध्यम से आम नागरिक अब बढ़-चढ़कर यातायात नियमों के उल्लंघन एवं यातायात संबंधी समस्याओं की जानकारी यातायात पुलिस तक पहुंचा रहे हैं। नागरिकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के फोटो एवं वीडियो तथा यातायात बाधित होने जैसी समस्याओं की सूचनाएं इन डिजिटल माध्यमों से साझा की जा रही हैं। प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं का यातायात पुलिस की टीम द्वारा परीक्षण किया जाता है। शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इंदौर ट्रैफिक साथी एप्लीकेशन के माध्यम से अब तक 2,218 शिकायतें प्राप्त हुई।



सड़क पर पानी बहाने पर काटे 16 चालान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। जल संरक्षण को लेकर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। पेयजल की बबार्दी रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के साथ अब सड़क पर पानी बहाने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। सोमवार को मुराई मोहल्ला की गली नंबर-2 में सड़क पर पानी बहाने वाले 16 नागरिकों के चालान बनाए गए। दरअसल, निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कुछ दिन पहले जोन-12 के वार्ड 62 का निरीक्षण किया था। इस दौरान सड़क पर पानी बहता देख उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नागरिकों को समझाइश देने और पानी की बबार्दी रोकने के निर्देश दिए थे। इसके बाद उपयंत्री सौरभ समैया, सहायक सीएसआई चेतन, जल प्रदाय विभाग और टीम टवरए ने लगातार दो दिन तक क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। सोमवार सुबह जोनल अधिकारी राहुल सूर्यवंशी के निर्देश पर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और 16 लोगों के चालान बनाए।

65 लाख से बन रहा आधुनिक भवन

8 अतिरिक्त कक्षाएं होंगी संचालित, सपनों को मिलेगी नई उड़ान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला है। इसी सोच को साकार करते हुए इंदौर यूनाइटेड राउंड टेबल ने इंदौर बायपास के समीप स्थित ग्राम अरंडिया में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी पहल की है। संस्था द्वारा लगभग 65 लाख की लागत से 8 नवीन कक्षाओं वाले विद्यालय भवन का निर्माण किया जा रहा है, जो सैकड़ों बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। इस परियोजना के प्रारंभ होने से पूर्व विद्यालय में मात्र 2 कक्षाएँ थीं, जिनमें 250 से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे थे। सीमित स्थान और संसाधनों के बावजूद बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह और आगे बढ़ने की ललक थी। इन्हीं बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने के उद्देश्य से इंदौर यूनाइटेड राउंड टेबल ने विद्यालय में 8 अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण का बीड़ा उठाया।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार नए भवन के निर्माण से न केवल वर्तमान विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा, बल्कि विद्यालय की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। विद्यालय के प्राचार्य को विश्वास है कि इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों की संख्या 250 से बढ़कर लगभग 400 तक पहुँच सकेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी सम्पूर्ण 65 लाख की धनराशि इंदौर



यूनाइटेड राउंड टेबल द्वारा अपने प्रयासों से जुटाई जा रही है। इसमें प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट संस्थाओं प्रॉक्टर एंड गैंबल, अरिहंत कैपिटल, इंदौर के सीएसआर सहयोग के साथ-साथ संस्था द्वारा आयोजित विभिन्न फंडरेजिंग कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह पहल इस बात का सशक्त उदाहरण है कि जब उद्योग जगत, सामाजिक संस्थाएँ और समाजसेवी एक साझा उद्देश्य के लिए आगे आते हैं, तो शिक्षा के क्षेत्र में बड़े और स्थायी परिवर्तन संभव हो सकते हैं।

उच्च गुणवत्ता के साथ निर्माण, जनवरी 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य

विद्यालय भवन का निर्माण कार्य अगस्त 2026 में प्रारंभ किया गया था और इसे जनवरी 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री, भवन की मजबूती, सुरक्षा और दीर्घकालीन उपयोगिता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि आने वाली कई पीढ़ियाँ इस सुविधा का लाभ उठा सकें। राउंड टेबल इंडिया को विश्वास है कि इन कक्षाओं में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में से अनेक बच्चे भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों में सफल नागरिक बनकर इंदौर, मध्यप्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

सिर्फ ईंट-पत्थरों का भवन नहीं, सैकड़ों सपनों का निर्माण

माना जा रहा है कि इंदौर यूनाइटेड राउंड टेबल की यह पहल महज एक विद्यालय भवन निर्माण परियोजना नहीं है, बल्कि उन सैकड़ों बच्चों के सपनों को साकार करने का प्रयास है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद जीवन में कुछ बड़ा करने का हौसला रखते हैं। आज अरंडिया गाँव में बन रही ये 8 कक्षाएँ, कल सैकड़ों परिवारों की तकदीर बदल सकती हैं।

प्रेरणादायी संदेश

राउंड टेबल इंडिया का यह प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणादायी संदेश है कि यदि प्रत्येक सक्षम संस्था शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाए, तो कोई भी बच्चा बेहतर शिक्षा के अवसरों से वंचित नहीं रहेगा। क्योंकि जब एक विद्यालय बनता है, तो केवल एक इमारत खड़ी नहीं होती–एक बेहतर समाज, एक सशक्त पीढ़ी और एक उज्ज्वल राष्ट्र की नींव रखी जाती है।

देशभर के विशेषज्ञ करेंगे 18 व 19 को जीएसटी पर मंथन

इंदौर। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की जीएसटी एवं अप्रत्यक्ष कर समिति के तत्वावधान में तथा इंदौर शाखा के आतिथ्य में जीएसटी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन नवचिंतन- बदलते जीएसटी की नई दिशा का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन 18 एवं 19 नवंबर 2026 को इंदौर के आनंद मोहन माथुर सभागृह में आयोजित होगा। सम्मेलन में आईटीसी एवं फेक इनवाइसिंग से जुड़े महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों, कर प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, जीएसटी परिषद की बैठक में हुए प्रमुख संशोधनों, सर्च एवं सीजर तथा सरकारी आपूर्ति में आरसीएम जैसे समसामयिक विषयों पर विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष एसके मिश्रा एवं कस्टम्स, एक्साइज एंड सर्विस टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल की अध्यक्ष डॉ. रचना गुप्ता मुख्य अतिथि होंगे।

सोनोग्राफी मशीन खराब होने और स्त्री रोग विशेषज्ञ न होने से महिलाएं परेशान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । शहर के मध्य क्षेत्र की घनी आबादी के बीच स्थित मल्हारगंज पाली क्लीनिक में गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसूति की सुविधा तो कागजों पर उपलब्ध है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है।

अस्पताल में चेकअप के लिए आने वाली महिलाओं की जांच के लिए सोनोग्राफी की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां की सोनोग्राफी मशीन लंबे अरसे से बंद पड़ी है, जिसके कारण गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी के लिए एमटीएच महिला प्रसूति गृह, पीसी सेठी अस्पताल या एमवाय अस्पताल के लिए रैफर करना पड़ रहा है। अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ का एक भी पदस्थ डॉक्टर न होना सबसे बड़ी समस्या बना हुआ है।



जटिल मामले किए जा रहे है रैफर

हाल ही में अटैचमेंट खत्म किए जाने के बाद यहां पदस्थ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नुसरत खान को 18 अक्टूबर को उनकी मूल पदस्थापना मानपुर भेज दिया गया है। विशेषज्ञ डॉक्टर के अभाव में यहां सेक्शन सी डिलीवरी नहीं की जाती और जटिल मामले सामने आने पर उन्हें सीधे एमटीएच अस्पताल रैफर कर दिया जाता है। वर्तमान में आयुष डॉक्टर निधि जैन द्वारा ही ओपीडी में आने वाली महिलाओं का सामान्य चेकअप किया जा रहा है।

अस्पताल में ईसीजी मशीन का भी अभाव

सोनोग्राफी और डॉक्टर के अभाव में मरीजों को हो रही दुर्दशा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पांच महीने की गर्भवती कुसुम कुमावत और नगीन नगर से आईं 27 वर्षीय रमा देवी जैसी महिलाओं को सामान्य जांच के बाद सोनोग्राफी के लिए अन्य अस्पतालों के चक्कर काटने पड़े। इसके अलावा, अस्पताल में ईसीजी मशीन का भी अभाव है, जिसके कारण दिल से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों की शुरूआती बेसिक जांच भी केंद्र पर संभव नहीं हो पा रही है। इस संबंध में मल्हारगंज पाली क्लीनिक के प्रभारी डॉ. शैलेंद्र परिहार का कहना है कि सोनोग्राफी मशीन खराब होने के कारण महिलाओं को अन्य सरकारी अस्पतालों में रैफर किया जा रहा है। नई मशीन उपलब्ध कराने के लिए सीएमएचओ को पत्र लिखा जा चुका है और उम्मीद है कि जल्द ही अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा सुचारू हो जाएगी।

18 वर्षीय मुमुक्षु को18 को संयम मुहूर्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। जैन धर्म में संयम और दीक्षा का मार्ग आत्मकल्याण की सर्वोच्च साधना माना गया है। इसी पावन परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पारा निवासी राजेंद्र कुमार कोठारी एवं कोठारी परिवार के पुत्र 18 वर्षीय मुमुक्षु मोक्षभाई ने सांसारिक मोह-माया का त्याग कर आत्मकल्याण एवं प्रभु भक्ति के मार्ग पर अग्रसर होने का संकल्प लिया है। मुमुक्षु मोक्षभाई, पिंकी एवं उज्ज्वल कोठारी के सुपुत्र हैं।

18 नवंबर को एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसर वाटिका में परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब के पावन करकमलों से मुमुक्षु मोक्षभाई को संयम मुहूर्त प्रदान किया जाएगा। इसी क्रम में परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब आदि ठाणा एवं साध्वी मंडल का तिलक नगर स्थित श्री राजेंद्रसूरि आराधना भवन, गुरुमंदिर में भव्य आगमन हुआ। गुरुदेव ठीक प्रातः 7:15 बजे पत्रकार चौराहा, साकेत नगर



रोड पहुंचे, जहां से तिलक नगर श्रीसंघ एवं गुरुभक्त परिवार ने भावपूर्ण अगवानी की। तत्पश्चात मंगल जुलूस के साथ गुरुदेव को गुरुमंदिर लाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव के मंगलाचरण से हुआ। इस अवसर पर पूज्य श्री विद्वद्दरत्न विजयजी महाराज साहब ने अपने प्रवचन में सकल श्रीसंघ को एकजुट होकर धर्म एवं संघ के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की प्रेरणा दी। संचालन सौरभ जैन ने किया। इस अवसर पर कुंवर मंडली ट्रस्ट मंडल के धनराज संघवी, महेंद्र जैन एवं नीर सुराणा का बहुमान किया गया। साथ ही आनंदीलाल अम्बोर, संतोष पुराणी, संजय मोदी, प्रेमकमल वागरेचा, दिलीप पारीख, नरेंद्र मेहता, सुरेश छाजेड़, प्रकाश बाफना सहित अनेक गणमान्यजनों ने सम्मान समारोह में सहभागिता की। कार्यक्रम में राजेश जैन, राजेंद्र पारीख, मुकेश पोषित्रा सहित लगभग 500 श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन दिलीप पारीख ने किया।

कृतज्ञता समारोह में राजेश जैन का भव्य बहुमान

द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास के अंतर्गत कृतज्ञता समारोह में चातुर्मास के मीडिया प्रभारी एवं मक्सी तीर्थ ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष राजेश जैन युवा का स्मृति चिह्न भेंटकर आत्मीय एवं भव्य सम्मान किया गया। इस दौरान जैन ने भावपूर्ण उद्बोधन में गुरु भक्ति, संघ एकता, धर्म प्रभावना और सामूहिक समर्पण के महत्व को रेखांकित किया।

48 घंटे में 7 थाना क्षेत्रों से 8 तस्कर किए गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने एक बार फिर सख्त अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। बीते 48 घंटों के दौरान शहर के सात अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने ताबड़तोड़ दबिश देकर मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

इस संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपए कीमत के प्रतिबंधित नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं। जब्त किए गए सामान में 22.42 ग्राम और 12.6 ग्राम एमडी ड्रग्स के अलावा ब्राउन शुगर और गांजा शामिल है। इसके साथ ही पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त की जा रही एक मोटर साइकिल को भी जब्त किया है।शहर में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को संदिग्ध गतिविधियों की लगातार सूचनाएं मिल रही थीं। इसी आधार पर चंदन नगर, तेजाजी नगर, खजराना, हीरानगर, भंवरकुआं, गांधीनगर और द्वारकापुरी थाना पुलिस ने अपने-अपने इलाकों में घेराबंदी कर इन आठ तस्करों को दबोचा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब सभी आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है।

तस्करों के ठिकाने की जांच

जांच का मुख्य केंद्र बिंदु यह पता लगाना है कि आरोपी ये प्रतिबंधित नशीले पदार्थ कहां से खरीदकर इंदौर लाते थे और शहर में किन-किन ठिकानों व लोगों तक इसकी सप्लाई की जा रही थी। पुलिस इस पहलू की भी बारीकी से तफ्तीश कर रही है कि कहीं इन आरोपियों के पीछे कोई बड़ा सप्लायर या संगठित अंतरराज्यीय गिरोह तो सक्रिय नहीं है।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने स्पष्ट किया कि नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस की यह मुहिम निरंतर जारी रहेगी और पूछताछ में सामने आने वाले अन्य नामों पर भी सख्त कानूनी शिकंजा कसा जाएगा।

कृष्णबाग कॉलोनी में मकानों की हटाने की कार्रवाई के विरोध में धरना



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर की कृष्णबाग कालोनी सेक्टर-सी के रहवासी अपने आशियानों को बचाने के लिए संघर्षरत हैं। कालोनी में मकानों को हटाने की प्रस्तावित कार्रवाई को रोकने की मांग को लेकर रहवासी शुक्रवार से रीगल तिराहा पर धरने पर बैठे हैं।

पिछले तीन दिनों से यह धरना दिन-रात अनवरत जारी है, जिसमें दिन के समय महिलाएं, बच्चे और पुरुष सभी शामिल हो रहे हैं, जबकि रात के वक्त पुरुष मोर्चा संभाले हुए हैं। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार, प्रशासन को ग्राम खजराना स्थित इस कालोनी के 70 से अधिक अवैध अतिक्रमण 30 दिन के भीतर यानी 26 नवंबर से पहले हटाने हैं। प्रशासन ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और रहवासियों को नोटिस जारी करने के साथ एसडीएम व अन्य अधिकारी समझाइश भी दे चुके हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से जीवनभर की गाढ़ी कमाई लगाकर प्लाट और मकान खरीदने वाले परिवारों के सिर से छत छिनने का संकट मंडरा रहा है।रहवासियों का कहना है कि राजस्व अधिकारियों ने श्रीराम बिल्डर्स के शशिभूषण खंडेलवाल के दस्तावेजों को आधार मानकर सीमांकन और बेदखली की कार्रवाई की है, जबकि उन्हें अपना पक्ष रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया गया। रहवासियों ने आरोप लगाया कि प्लाट बेचने वालों पर शिकंजा कसने के बजाय पूरी कीमत चुकाकर रजिस्ट्री कराने वाले आम लोग परेशान हो रहे हैं।

भगवान श्रीनाथ जी को लगे 56 भोग

इंदौर। श्री दशा नीमा मण्डल के तत्वावधान में श्री दशा नीमा समाज का भव्य अन्नकूट महोत्सव नीमा मांगलिक परिसर, केसरबाग रोड पर श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। श्रीनाथ जी के मनमोहक श्रृंगार और छप्पन भोग के दिव्य दर्शन से सम्पूर्ण परिसर भक्तिमय हो उठा। सभी समाजजनों ने महाआरती की, तत्पश्चात भजन-कीर्तन की मधुर स्वर लहरियों से वातावरण गूंज उठा।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्रीमती सुषमा सुगंधी पतिश्री संजय सुगंधी** के द्वारा कुशाभाउ ठाकरे झोन क्र. 16 पर राजस्व विभाग में आवेदन के साथ रजिस्ट्री/ वसीयत नामे की प्रति प्रस्तुत कर सर्विस/ पिन **1003128577** भूखण्ड/भवन सर्वे. क्र. **64-ई, साकेत धाम कॉलोनी, ग्राम छोटा बांगड़दा, इंदौर** पर स्थित संपत्ति का अपने नाम से नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्र. **07** के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी झोन क्रमांक 16 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। विक्रेता **सुप्रभा विशाललक्षणा** क्रेता **श्री दुर्वास चंद्रशेखर ठाकरे** पिन क्र. **1000994078 झोन क्र. 07 वार्ड** क्र. 34। पता **101-जे, पवन आशा, ए-1, स्कीम नं. 78, इन्दौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो **झोन क्र. 07** के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, अटल बिहारी वाजपेयी (स्कीम नं. 54) झोन क्रमांक 07 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **श्रीमती जान्हवी पतिश्री राहुल पंवार** पता **1/ए, सिल्वर ऑक्स कौलनी, इंदौर,** पिन **1001192923,** झोन क्र. 21 वार्ड क्र. 81। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 21 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 21 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **श्रीमती उज्ज्वला पतिश्री सुरेन्द्र इंगले** पता **4, अहिरखेड़ी, इंदौर,** पिन **1001187872,** झोन क्र. 21, वार्ड क्र. 79। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 21 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 21 नगर पालिका निगम इंदौर

सार्वजनिक सूचना

सरनेम की स्पेलिंग में सुधार हेतु मैं **विकास चौरसिया पिता श्री लल्लूलाल चौरसिया,** निवासी **मकान नं. 66, आनंदम कॉलोनी, मांडव रोड, डी.आर.पी. लाइन के पास, धार, जिला धार (म.प्र.) आधार क्र. 7387 5194 6987** का धारक, शपथपूर्वक कथन करता हूं कि यह कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम, **VIKAS CHAURASIA (विकास चौरसिया)** सही अंकित है। यह कि मेरी कक्षा 10 कि सूची (मार्कशीट) में मेरे सरनेम की अंग्रेजी स्पेलिंग **Chourasia** अंकित हो गई है, जबकि आंधार कार्ड के अनुसार, सही स्पेलिंग Chaurasia है। यह कि दोनों नाम मेरे ही हैं तथा मैं एक ही व्यक्ति हूं। अंतर केवल सरनेम की अंग्रेजी स्पेलिंग का है यह कि मेरा सही एवं पूर्ण नाम **VIKAS CHAURASIA** (विकास चौरसिया) माना जाये तथा भविष्य में सभी शासकीय एवं अशासकीय अभिलेखों में इसी नाम का उपयोग किया जाये।

शपथकर्ता विकास चौरसिया

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक/क्रेता **श्रीमती सीता रायकवार पतिश्री विवेक रायकवार,** पता **138/5, सेक्टर-बी, नंदबाग कॉलोनी, इन्दौर** पिन **100847426,** झोन क्र. 01। विक्रेता **अनवर पिताश्री कमरूद्दीन खान** विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 01 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 01 नगर पालिका निगम इंदौर

संतों की वाणी से पवित्र होती है काया

भगवान महावीर के मार्ग पर चलकर समृद्ध हुआ जैन समाजः मुख्यमंत्री

मृदुभाषी। भोपाल



'संतों के दर्शन मात्र से हमारे भाग्य का उदय होता है और समाज को सही दिशा देने का काम संत ही करते हैं। आज का दिन मेरे लिए परम सौभाग्य का है, क्योंकि मुझे संतों की अमृतवाणी सुनने का अवसर मिल रहा है, जिससे न केवल शब्द बल्कि काया भी पवित्र होती है।' यह उद्गार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को इंदौर की क्लर्क कॉलोनी स्थित दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित 'जिज्ञासा समाधान' कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। जैन मुनि सुधाकर सागर के पावन सानिध्य में आयोजित इस धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के बताए सिद्धांतों और मार्ग पर चलकर जैन समाज आज काफी समृद्ध और सशक्त हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैन मुनि के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मुनि सुधाकर महाराज मनुष्यों को सद्कर्मों की शिक्षा देकर उन्हें संस्कारित कर रहे हैं, और 'मनुष्य निर्माण' का यह कार्य अत्यंत अभिनंदनीय है। उन्होंने आह्वान किया कि हमारा समाज व्यसनों से दूर रहे और अच्छे कार्यों में संलग्न हो। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए लगातार ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार गौपालन को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ गौपालकों को भी हर संभव मदद दे रही है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में आयुर्वेद कॉलेजों और चिकित्सालयों की संख्या में निरंतर वृद्धि की जा रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जैन संत सुधासागर महाराज ने भारतीय संस्कृति की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा अनूठा देश है, जहां सभी धर्मों और संप्रदायों का समान रूप से सम्मान किया जाता है और यहां की परंपरा में घर-घर में गौपालन की संस्कृति रची-बसी है। इससे पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जैन मुनि का आशीर्वाद प्राप्त किया, जिस पर मुनि ने उन्हें अभिमंत्रित कलश भेंट कर मंगलकामनाएं दीं। इस गरिमामय आयोजन में विधायक रमेश मेंदोला, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, सुमित मिश्र, श्रवण सिंह चावड़ा और हरिनारायण यादव सहित अनेक जैन संत तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बना नया मिनी ब्रिज

कालभैरव मंदिर में दर्शन व्यवस्था बदली वीआईपी रसीद और गर्भगृह प्रवेश पर रोक

मृदुभाषी। उज्जैन



अगर आप आने वाले दिनों में उज्जैन के प्रसिद्ध कालभैरव मंदिर में दर्शन करने का प्लान बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। मंदिर में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब मंदिर में न तो वीआईपी कोटा चलेगा और न ही गर्भगृह में प्रवेश मिलेगा। स्थिति यह है कि भारी भीड़ के कारण वीआईपी रसीद लेने के बाद भी लोगों को घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ रहा था, जिसे देखते हुए प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया है।

मंदिर प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के निर्देश के बाद व्यवस्था में कई बदलाव किए गए हैं। इसके तहत 500 रुपए वाली वीआईपी दर्शन रसीद की सुविधा अगले आदेश तक पूरी तरह बंद कर दी गई है। पहले यह व्यवस्था केवल शनिवार और रविवार को लागू थी, लेकिन अब भीड़ का दबाव बढ़ने के कारण इसे रोजाना के लिए बंद कर दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति सामान्य होने के बाद ही इस पर दोबारा विचार किया जाएगा। इसके साथ ही, तहसीलदार के स्पष्ट निर्देशों के अनुसार गर्भगृह में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है। अब अगले आदेश तक सभी वीआईपी और आम श्रद्धालुओं को एक ही सामान्य कतार में लगकर भगवान कालभैरव के दर्शन करने होंगे। श्रद्धालुओं को इस असुविधा से राहत दिलाने और सुगम आवागमन के लिए जिला प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की विशेष पहल पर शिप्रा नदी के किनारे लगभग चार करोड़ रुपए की लागत से 500 फीट लंबा और 23 फीट चौड़ा लोहे का आधुनिक मिनी ब्रिज मात्र डेढ़ महीने के रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हो गया है। पूर्व में अतिक्रमण के कारण इस कार्य में अड़चन आई थी, जिसे प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर हटवाया और निर्माण कार्य पूरा कराया। इस ब्रिज के शुरू होने से श्रद्धालुओं को आवाजाही में बहुत सहूलियत मिलेगी। इस नए ब्रिज के शुरू होने से अब श्रद्धालु मंदिर के मुख्य द्वार से प्रवेश करेंगे और दर्शन के बाद इसी नए ब्रिज के रास्ते से बाहर निकलेंगे। आने और जाने का मार्ग अलग-अलग होने से मंदिर परिसर में धक्का-मुक्की और जाम की स्थिति नहीं बनेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस ब्रिज पर शेड और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि धूप और रात्रि के समय किसी को परेशानी न हो। यदि आप दर्शन के लिए आ रहे हैं, तो इन चार बातों का विशेष ध्यान रखें। पहला, फिलहाल मंदिर में कोई वीआईपी रसीद नहीं मिल रही है, इसलिए सामान्य कतार के हिसाब से ही आएं। दूसरा, सुरक्षा और व्यवस्था को देखते हुए गर्भगृह में जाने की जिद न करें क्योंकि प्रवेश प्रतिबंधित है। तीसरा, पर्याप्त समय लेकर आएं क्योंकि भारी भीड़ के चलते दर्शन करने में 2 से 3 घंटे का समय लग सकता है। चौथा, दर्शन के पश्चात निर्धारित नए ब्रिज वाले रास्ते से ही बाहर निकलें, ताकि आप भीड़भाड़ से बच सकें।

खंडवा में दर्दनाक सड़क हादसा

सरकारी कार्यक्रम से लौट रहे किसान को कुचला

मृदुभाषी। खंडवा



जिले में सोमवार को एक बड़ा और दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहाँ स्कूली बच्चों को लेकर सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने आई एक तेज रफ्तार बस ने दो किसानों को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण टक्कर में एक किसान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। यह हादसा उस वक्त हुआ जब पूरा प्रशासन और शहर कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में जुटा था, लेकिन इस दुर्घटना ने एक हंसते-खेलते किसान परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं।

मिली जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक घटना कार्यक्रम स्थल से महज एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम नहाल्दा के पास घटी। मृतक किसान की पहचान 42 वर्षीय कमलचंद पाटीदार के रूप में हुई है, जो ग्राम सतवाड़ा के रहने वाले थे। सोमवार को वे अपने 68 वर्षीय साथी संतोष पाटीदार के साथ बाइक पर सवार होकर खंडवा आ रहे थे। वे अपने खेत में सिंचाई के लिए पाइपलाइन का जरूरी सामान खरीदने के लिए निकले थे। तभी यश ट्रैवल कंपनी की एक बेकाबू बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक चला रहे कमलचंद पाटीदार सीधे बस के पहिए के नीचे आ गए। बस का भारी-भरकम पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं पीछे बैठे बुजुर्ग किसान संतोष पाटीदार छिटक कर दूर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह बस बड़वानी जिले से स्कूली बच्चों को लेकर खंडवा में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आई थी। कार्यक्रम के समापन के बाद, बस स्कूली बच्चों को सुरक्षित वापस छोड़ने के लिए बड़वानी की ओर रवाना हुई थी। एक्सीडेंट के तुरंत बाद बस ड्राइवर ने गाड़ी रोकने या घायलों की मदद करने के बजाय बस को मौके से भगा लिया। हालांकि, सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आ गई और पीछा करते हुए घटनास्थल से करीब आठ किलोमीटर दूर ग्राम सांवखेड़ा के पास बस को पकड़ लिया।

एक घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा शव, एंबुलेंस में देरी से लोगों में आक्रोश

दुर्घटना के बाद राहत और बचाव कार्य में देरी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के करीब एक घंटे बाद मृतक कमलचंद के शव को एंबुलेंस के जरिए और गंभीर रूप से घायल संतोष पाटीदार को डायल 112 पुलिस वाहन की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया जा सका। सूचना मिलते ही सीएसपी अभिनव बारंगे और टीआई प्रवीण आर्य भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और यातायात को सुचारू कराया। इस हृदयविदारक हादसे ने सतवाड़ा गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है। मृतक कमलचंद ही अपने परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे।

थर्मस में 970 ग्राम क्रिस्टल एमडी छिपाकर ले जा रहा आरोपी भोपाल में गिरफ्तार



मृदुभाषी। भोपाल

अच्छी-खासी तकनीकी शिक्षा हासिल करने वाला एक मैकेनिकल इंजीनियर नशे के सौदागरों का कूरियर बॉय बन गया। कर्नाटक के एक ड्रग तस्कर के लिए काम कर रहा बेंगलुरु निवासी विशाख एएन दिल्ली से थर्मस में छिपाकर 970 ग्राम क्रिस्टल एमडी की खेप कर्नाटक पहुंचाने निकला था। इसके लिए उसने दिल्ली से नागपुर और फिर कर्नाटक तक का रास्ता चुना था, लेकिन भोपाल में गोविंदपुरा पुलिस के हत्थे चढ़ने से उसकी पूरी योजना धरी रह गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि वह इससे पहले भी तीन बार दिल्ली से नशे की खेप ला चुका है और हर डिलीवरी के बदले उसे भारी कमीशन मिलता था। गोविंदपुरा पुलिस तस्करी करने वाले इस इंजीनियर को 19 नवंबर तक की रिमांड पर लेकर लगातार पूछताछ कर रही है।

पुलिस पूछताछ में आरोपी विशाख ने बताया कि वह कर्नाटक के एक बड़े ड्रग तस्कर के संपर्क में था और उसी के इशारे पर अवैध नशे की खेप ठिकाने तक पहुंचाने का काम करता था। इस बार दिल्ली में एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे तीन थर्मस सौंपे थे। इन थर्मस के भीतर पॉलिथीन में विशेष तरीके से छिपाकर 970 ग्राम क्रिस्टल एमडी (ड्रग्स) रखी गई थी। उसकी योजना बस के जरिए नागपुर पहुंचने और वहां से कर्नाटक जाने की थी। कर्नाटक में मुख्य तस्कर उससे मिलने वाला था और खेप अपने कब्जे में लेने के बाद उसे बाकी का भुगतान किया जाना था। गोविंदपुरा पुलिस के अनुसार, विशाख को कूरियर के रूप में काम करने के लिए कुछ रकम पहले ही एडवांस के रूप में दी जा चुकी थी। बाकी का पैसा खेप को तय ठिकाने तक सुरक्षित पहुंचाने के बाद मिलना तय था। पुलिस अब यह पता लगाने में गहराई से जुटी है कि कर्नाटक में बैठा मुख्य तस्कर कौन है और दिल्ली से भोपाल के रास्ते कर्नाटक तक फैले इस ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल फोन की तकनीकी जांच करने पर पुलिस को दिल्ली आने-जाने की तीन पिछली यात्राओं के टिकट भी मिले हैं। इन डिजिटल साक्ष्यों और टिकटों के आधार पर पुलिस को उसके पूर्व के दौरों के बारे में अहम जानकारियां हाथ लगी हैं। पुलिस अब इन टिकटों, मोबाइल में सेव कॉन्टैक्ट्स और अन्य डिजिटल डेटा की मदद से तस्करी के इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य चेहरों को भी बेनकाब किया जा सके।

मप्र में अब साल में दो बार होगी एमपीपीएससी परीक्षा

दो लाख नए पदों पर होगी भर्ती

मृदुभाषी। भोपाल



मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के मोर्चे पर एक ऐतिहासिक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के युवाओं के भविष्य को और अधिक संवारने के लिए एक बड़ा ऐलान करते हुए घोषणा की है कि अब प्रदेश के इतिहास में पहली बार 'मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग' (MPPSC) की परीक्षा साल में दो बार आयोजित की जाएगी। इस पहल से राज्य के प्रशासनिक सेवा के उम्मीदवारों को साल में दो बार अपनी प्रतिभा दिखाने और सफलता हासिल करने के अवसर मिलेंगे।

युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार सभी विभागों में बड़े पैमाने पर रिक्तियों को भर रही है। इसके तहत लगभग 2 लाख नए पदों का सृजन किया जा रहा है। सरकार की रोजगारोन्मुखी नीतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में 1 लाख पदों के विज्ञापन जारी कर 85 हजार से अधिक युवाओं की शासकीय पदों पर भर्तियां सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी हैं। इसके साथ ही, इन भर्तियों के बाद कर्मचारियों के करियर को गति देते हुए 1 लाख पदों पर पदोन्नति (प्रमोशन) के कार्य भी किए गए हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में और कसावट आई है। स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में हुए क्रांतिकारी बदलावों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल की तुलना वर्तमान व्यवस्था से की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 55 साल लंबे शासनकाल में पूरे प्रदेश में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज हुआ करते थे, जबकि वर्तमान सरकार के विजनरी नेतृत्व में आज प्रदेश में 33 मेडिकल कॉलेज सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं। सरकार के आगामी लक्ष्यों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि आने वाले समय में प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के उद्देश्य से इनकी संख्या को बढ़ाकर जल्द ही 52 किया जाएगा। इस अभूतपूर्व विस्तार से राज्य में एमबीबीएस की सीटों की संख्या जो कभी मात्र 1,500 हुआ करती थी, वह अब बढ़कर 10,000 से भी अधिक हो जाएगी। सरकार के इन दूरदर्शी कदमों से न केवल प्रदेश के दूर-दराज के अंचलों में उच्च कोटि की स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर योग्य डॉक्टरों की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।

बड़वानी में सनसनीखेज मामला

भाजपा युवा मोर्चा नेता पर महिला से दुष्कर्म का आरोप

मृदुभाषी। भोपाल

बड़वानी जिले के ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव की महिला ने सोमवार को अपने पति के साथ थाने पहुंचकर सनसनीखेज शिकायत दर्ज कराई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है और उसकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है। इस घटना के सामने आने के बाद से राजनीतिक गलियारों और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

ग्रामीण थाना प्रभारी ओपी चौंगड़े से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता महिला ने पुलिस को दिए गए अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि करीब दो महीने पहले सेंधवा के दावल बेड़ी निवासी मयंक राठौड़ उसके घर पहुंचा था। आरोपी ने उससे प्रेम संबंधों की बातें कीं और उसे अपने विश्वास में ले लिया। इसके बाद उसने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि घटना के तुरंत बाद आरोपी ने उसे धमकाते हुए इस पूरे मामले की जानकारी किसी को भी न देने की चेतावनी दी थी। आरोपी के लगातार खौफ और धमकियों के डर के चलते वह उस समय सहमी रही और किसी को घटना के बारे में नहीं बता सकी। हालांकि, हिम्मत जुटाने के बाद महिला ने अपने पति को पूरी आपबीती बताई, जिसके बाद दोनों ने थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। इस मामले के सामने आते ही सियासी हलकों में हड़कंप मच गया है, क्योंकि नामजद आरोपी मयंक राठौड़, पिता गणेश राठौड़, सत्ताधारी दल से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोपी मयंक भाजपा युवा मोर्चा में नगर महामंत्री के महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत है, जबकि उसके पिता गणेश राठौड़ भाजपा में जिला उपाध्यक्ष के पद पर हैं। राजनीतिक रसूख से जुड़े परिवार का नाम सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन भी इस मामले में बेहद सतर्कता से जांच-पड़ताल कर रहा है। ग्रामीण थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी मयंक राठौड़ के खिलाफ दुष्कर्म और संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने शिकायतकर्ता महिला का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण भी करवाया है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे के साक्ष्य जुटाए जाएंगे। थाना प्रभारी ओपी चौंगड़े ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी मयंक फरार चल रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है।



सम्पादकीय

लोग न चुकाएं एआई विस्तार की कीमत

आज चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए। अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं।



निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

एक भारतीय प्रेम कहानी और राजनीतिक निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' भारत में व्यापक सुर्खियों में बनी हुई है। निश्चित ही, आप इस किताब विशेष की विषयवस्तु इसके मुखपृष्ठ से ही जान जाते हैं। इस पर एक युवा यूरोपीय महिला की श्वेत-श्याम तस्वीर है—जो अपने प्यार की खातिर आधी दुनिया पार कर भारत आई और उसके गुजर जाने के बाद भी यहीं बनी रही। वह तब भी डटी रही, जब विपक्ष और उसकी अपनी ही पार्टी के साथी विदेशी मूल होने को लेकर उस पर तंज कसते रहे। यह तस्वीर वाकई बहुत खूबसूरत है।

इतना ही नहीं, किताब में नाकाबिल-ए-माफी 55 त्रुटियों के बावजूद—स्पष्टतः जो खराब संपादन की वजह से बच निकलीं—ऐसा लगता है कि इस किताब ने गांधी परिवार और कांग्रेस को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया है। निश्चित ही, कांग्रेस को उम्मीद है कि इससे पार्टी को एक नई जान मिलेगी, जो मौजूदा राजनीति से इतर बनी रहेगी। वह भी ऐसे समय में, जब पांच अहम राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जो देश की राजनीति का स्वरूप बदल सकते हैं।

ऐसा लगता है कि शायद किताब के माध्यम से बेहतरीन संवाद बनाने की पुरजोर कोशिश की गई है। यह उच्च कोटि की कहानियों के प्रति भारतीयों के प्रेम की पर्याय है, यानी 'कथासरित्सागर' यानी कहानियों का महासागर। वह जिसका उपयोग करते हुए सलमान रुश्दी ने कुछ दशक पहले अपनी रचनाएं अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया के सामने पेश की थीं। अटल बिहारी वाजपेयी को भी इसका उपयोग अपनी हिंदी कविताओं और चुटीले अंदाज से करने की समझ थी। शायद इसीलिए देश उन्हें बहुत प्यार करता था, भले ही उन्होंने हमेशा बीजेपी को वोट न दिया हो। सोनिया की यादों का पिटारा



रूपी इस पुस्तक में एक बहुत ही प्यारा किस्सा है, जिसमें बताया गया है कि कैसे एक बार वाजपेयी ने सोनिया को समझाया था कि भले ही कांग्रेस और बीजेपी राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के विरोधी हों, फिर भी राजनीति से इतर दोनों पक्षों के बीच एक रिश्ता सदा कायम रह सकता है। सालों बाद, जब वाजपेयी एक बार गंभीर रूप से अस्वस्थ हुए और सोनिया उनका हाल-चाल पूछने गईं, तो उन्होंने बिना कुछ कहे बस अपना हाथ बढ़ाया और सोनिया का हाथ थाम लिया। आप सोनिया की किताब को ब्लिंकइट पर भी ऑर्डर कर सकते हैं—यह भी उनकी राजनीतिक रणनीति का ही एक हिस्सा है। पुस्तक विक्रेताओं तक किताब पहुंचने से कुछ दिन पहले ही, कांग्रेस की इस वरिष्ठ नेता की पुस्तक का विमोचन इंस्टाग्राम पर भी हुआ। इंस्टाग्राम पर प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता की तुलना में वे अभी काफी पीछे हैं—पिछले तीन हफ्तों में उनके केवल 3,55,000 फॉलोअर्स हुए हैं, जबकि प्रधानमंत्री के अकाउंट के 10.7 करोड़ फॉलोअर्स हैं। किताब का मंतव्य भारत के सबसे पुराने राजनीतिक वंश की जटिल और अक्सर विरोधाभासी कहानियों को देश के विशाल युवा वर्ग तक पहुंचाना है। इसका उद्देश्य अतीत को उसके सभी रंगों, जिनमें कुछ धुंधले या विवादास्पद पहलू भी शामिल हैं, के साथ फिर से जीवंत करना है और देश को यह याद दिलाना है कि गांधी परिवार के साथ उसका एक विशेष नाता कैसे है।

यह तमाम कोशिशें बिक्री कला की उस पुरानी कहावत को सच साबित करती हैं कि प्रचार अच्छा हो या बुरा, आखिर प्रचार तो प्रचार ही होता है। एक 'भारतीय प्रेम कहानी' से बेहतर और क्या हो सकता है, जिसकी मुख्य नायिका 'भारत माता' हो और जिसके किरदार दुनिया के अलग-अलग हिस्सों और विभिन्न धर्मों से जुड़े हों?

इसका कतई यह मतलब नहीं है कि यह किताब कांग्रेस पार्टी को उन राज्यों के चुनावों में कोई फायदा पहुंचाएगी, जहां वह फिलहाल चुनावी मैदान में है। हालांकि, जैसा कि हम जानते हैं, अतीत कभी पूरी तरह से अतीत नहीं बनता; वह अक्सर वर्तमान में आ खड़ा होता है। यह बात पंजाब के लिए उतनी ही सच है, जहां आज भी 1984 के सिख-विरोधी दंगों की भयावह यादें ताज़ा हैं; और उत्तर प्रदेश के लिए भी, जिसने राम मंदिर बनाने के वादे पर बार-बार बीजेपी को सत्ता में पहुंचाया—और अब सवाल यह है कि क्या अयोध्या के मंदिर में हुई चोरी की घटना इसके राजनीतिक भाग्य पर कोई असर डालेगी? पंजाब और दिल्ली में, सोनिया गांधी द्वारा 1984 के 'नरसंहार' को 'दुखद और शर्मनाक' बताए जाने से काफी हलचल हुई है। बीजेपी ने सिख-विरोधी दंगों में अपने पति खोने वाली कुछ विधवाओं को गुरुद्वारा रकाब गंज में इकट्ठा किया।

धर्म-ज्योतिष

एकादशी के बाद 21 को तुलसी विवाह, गोधूलि मुहूर्त से होंगे मांगलिक कार्य

सनातन धर्म में कार्तिक मास का विशेष महत्व होता है। इस महीने में दीपावली सहित कई बड़े और महत्वपूर्ण त्योहार मनाए जाते है। इस दौरान का तुलसी विवाह का पर्व भी आता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को तुलसी विवाह का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म तुलसी विवाह का विशेष महत्व होता है। इस दिन भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरुप और माता तुलसी के विवाह बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, चार महीने की योग निद्रा के बाद भगवान विष्णु देवउठनी एकादशी पर जागते हैं और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो सकती है। आइए आपको जानते हैं कब तुलसी विवाह, महत्व और पूजा शुभ मुहूर्त। वैदिक पंचांग के अनुसार, हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर तुलसी विवाह की परंपरा निभाई जाती है। देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु जागते हैं और फिर शालिग्राम संग तुलसी विवाह होता है।



समसामयिक

विकसित देश जिम्मेदारी निभाने को आगे आएं

धरती गर्म हो रही है। धरती के तापमान में 1850 से 1900 के बीच की अवधि की तुलना में 1.47 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो गई है। स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट, जिसे डब्ल्यूएमओ ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन, तुर्किए में जारी किया है, वह आने वाले महासंकट की ओर इशारा कर रही है। पिछले चार वर्षों का इतिहास देख लीजिए, हर वर्ष मौसम गर्म हो रहा है। वर्ष 2024 को इस सदी के इतिहास का सबसे गर्म साल कहा गया था, लेकिन 2026 का मौसम भी इसके आसपास है। यह धरती पर जीवन के लिए अज्ञात कठिनाइयां पैदा कर सकता है।

भारत में 2026 बहुत गर्म वर्ष रहा। बेशक, तापमान की यह उछाल 2026 को जहां एक गर्म वर्ष बना देती है, वहीं बारिश को बादल फटने और बाढ़ आने में तब्दील करके एक आपदा भी खड़ी कर देती है। उधर, हिमालय की चोटियों पर ग्लेशियरों की उम्र कम हो गई है। इसका कारण ग्लोबल वार्मिंग बताया जा रहा है। इससे ग्लेशियर जल्दी पिघल जाते हैं और वहां से पानी नीचे की



ओर बहकर जलप्रलय की तबाही पैदा कर देता है। भारत ने इस वर्ष इसे भोगा। इसका सीधा नतीजा यह हुआ कि बुआई के लिए धरती कम हो गई, फसलों की गुणवत्ता कम हुई, जिससे अनाज के भंडारण में कमी पैदा हो गई। यही स्थिति अब गेहूं की फसल की न हो, जिसे हम बोने जा रहे हैं। इसलिए इस असंतुलन को पैदा करने वाले कारणों की थोड़ी पड़ताल कर लें। महासागरों का तापमान लगातार कई वर्षों से बढ़ रहा है और इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव ने इसे और बढ़ाया। भारत में कृषि तो पहले ही मानसून का जुआ थी, अब मौसम का जुआ बन गई है। पहला बड़ा कारण कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बताया जा रहा था। अब इसमें समुद्री लहरों का बढ़ता हुआ तापमान भी शामिल हो गया है। अल नीनो से पैदा संकट भी सामने आ गया। यह एक बहुत खर्चीला युद्ध है। तीसरी दुनिया के देशों ने इसके संघर्ष के लिए भारत की ओर देखना ही था, लेकिन अमेरिका और अन्य पश्चिमी समृद्ध देशों ने भी इसकी जिम्मेदारी भारत पर छोड़ने का प्रयास किया। भारत वैश्विक नेतृत्व संभालने के लिए तैयार है, लेकिन इस संघर्ष के लिए जो लंबी-चौड़ी राशि खर्च होनी है, वह कहां है? ऐन मौके पर समृद्ध देश तो पीछे हट गए कि हमारा तो औद्योगिक क्रांति का युग कब का खत्म हो गया, अब आप लोग औद्योगिक क्रांति की राह पर हैं। कार्बन से लेकर अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन आपके देशों से हो रहा है, इसे शून्य भी आप ही कीजिए। आज नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली ग्रिड, ऊर्जा भंडारण और उभरती स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के जरिये नए प्रदूषण से निपट लिया जाए।

व्यापार

महिला भागीदारी में रिकॉर्ड इजाफा

श्रम बाजार से राहत भरी खबर: अक्तूबर में घटकर 4.9 प्रतिशत पर आई बेरोजगारी दर

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश के श्रम बाजार से एक राहत भरी खबर सामने आई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लिए देश की समग्र बेरोजगारी दर अक्तूबर महीने में घटकर 4.9 प्रतिशत पर आ गई है।

इससे पहले सितंबर में यह दर 5.0 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सालाना आधार पर तुलना करें, तो यह आंकड़ा अक्तूबर 2025 के 5.2 प्रतिशत के मुकाबले 0.3 प्रतिशत अंक कम है। इस सुधार में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका महिलाओं, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं की कार्यबल में बढ़ी भागीदारी की रही है। आंकड़ों के भौगोलिक विश्लेषण से पता चलता है कि शहरों में रोजगार की स्थिति में अपेक्षाकृत बेहतर सुधार हुआ है, जबकि ग्रामीण भारत में स्थिरता बनी रही। शहरी क्षेत्रों में कुल बेरोजगारी दर सितंबर के 6.9 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर में 6.7 प्रतिशत पर आ गई। वहीं, ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर बिना किसी बदलाव के 4.2 प्रतिशत पर स्थिर रही। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों की श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) सितंबर के 58.0 प्रतिशत से बढ़कर 58.4 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी भागीदारी 50.7 प्रतिशत से मामूली फिसलकर 50.5 प्रतिशत पर आ गई। इस रिपोर्ट का सबसे सकारात्मक पहलू महिला कार्यबल का विस्तार रहा है। देश में महिला श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) अक्तूबर में बढ़कर 35 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो सितंबर में 34.6 प्रतिशत और एक साल पहले 34.2 प्रतिशत थी। यह स्तर फरवरी 2026 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की LFPR सितंबर के 38.9 प्रतिशत से सुधरकर 39.5 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 25.9 प्रतिशत पर यथावत रही। इसके साथ ही, महिलाओं में समग्र बेरोजगारी दर सितंबर के 5.2 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर में 5.0 प्रतिशत पर आ गई, जबकि पुरुषों की बेरोजगारी दर 4.9 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की बेरोजगारी दर सुधरकर 3.8 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो वर्ष 2026 में इसका सबसे निचला स्तर है। शहरी महिलाओं की बेरोजगारी भी 9.2 प्रतिशत से घटकर 8.7 प्रतिशत रह गई है।



श्रमबल और रोजगार अनुपात में सुधार

अर्थव्यवस्था में काम करने के इच्छुक और वास्तव में रोजगार में लगे लोगों के दोनों प्रमुख अनुपातों में भी सुधार देखा गया है। काम करने वाले या काम की तलाश कर रहे लोगों का अनुपात (LFPR) अक्तूबर में बढ़कर 55.7 प्रतिशत हो गया, जो सितंबर में 55.5 प्रतिशत था। वहीं, रोजगार प्राप्त आबादी को दर्शाने वाला श्रमिक-जनसंख्या अनुपात (WPR) भी 52.7 प्रतिशत से बेहतर होकर 53 प्रतिशत पर पहुंच गया।

सर्वेक्षण की कार्यप्रणाली और दायरा भी बढ़ा

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा तैयार किए गए ये आंकड़े देश में रोजगार और श्रमबल की आधिकारिक स्थिति को दर्शाते हैं। अक्तूबर महीने का यह बुलेटिन कुल 3,70,475 लोगों के व्यापक सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के 2,11,474 और शहरी क्षेत्रों के 1,59,001 प्रतिभागी शामिल थे। इसके मासिक अनुमान वर्तमान साप्ताहिक स्थिति दृष्टिकोण के तहत 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिकों के आधार पर तैयार किए जाते हैं। अक्तूबर के ये आंकड़े बताते हैं कि देश के लेबर मार्केट को ग्रामीण क्षेत्रों और महिला कार्यबल की बढ़ती हिस्सेदारी से मजबूत गति मिल रही है।

आम बजट 2027-28 की तैयारियों का आगाज

सीतारमण ने अर्थशास्त्रियों के साथ की पहली प्री-बजट बैठक

मृदुभाषी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार, 16 नवंबर से आगामी आम बजट 2027-28 की तैयारियों की औपचारिक शुरुआत कर दी है। इस सिलसिले में उन्होंने नई दिल्ली में देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली महत्वपूर्ण बैठक की। जिस तरह घर का बजट बनाने से पहले परिवार के सदस्यों की जरूरतें जानी जाती हैं, ठीक उसी प्रकार सरकार भी बजट तैयार करने से पहले विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से सलाह लेती है। इसका मुख्य उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का आकलन करना और यह समझना है कि आम लोगों को राहत देने तथा विकास को गति देने के लिए किन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर सबसे पहले ध्यान देने की आवश्यकता है।

पहली बैठक के दौरान अर्थशास्त्रियों ने महंगाई को नियंत्रित करने, नए रोजगार सृजित करने और देश की आर्थिक विकास दर को तेज करने जैसे जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। इन्हीं सुझावों के आधार पर वित्त मंत्रालय यह तय करता है कि आगामी बजट में किस सेक्टर को कितना आवंटन करना है और जनता के लिए कौन सी नई योजनाएं लाई जानी हैं। अर्थशास्त्रियों के साथ चर्चा प्री-बजट बैठकों का पहला चरण है। आने वाले दिनों में वित्त मंत्रालय द्वारा उद्योग जगत, कॉर्पोरेट सेक्टर, एमएसएमई और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से टैक्स और नीतियों से जुड़ी मांगों पर चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त ट्रेड यूनियनों के साथ न्यूनतम वेतन व सामाजिक सुरक्षा, राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ उनके फंड व विकास परियोजनाओं, तथा सोशल सेक्टर के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और ग्रामीण विकास के विशेषज्ञों के साथ भी बैठकें होंगी। इन बैठकों का उद्देश्य समाज के हर वर्ग की उम्मीदों और जरूरतों को सीधे समझना है, ताकि सभी पक्षों की राय लेने के बाद बजट को अंतिम रूप दिया जा सके। परंपरा के अनुसार, आम बजट 1 फरवरी 2027 को संसद में पेश होने की संभावना है, जहां वित्त मंत्री देश की आय और व्यय का पूरा लेखा-जोखा प्रस्तुत करेंगी। बजट से ठीक पहले 29 या 31 जनवरी 2027 को अर्थव्यवस्था का रिपोर्ट कार्ड माना जाने वाला 'इकोनॉमिक सर्वे' भी पेश किया जा सकता है। पहली बैठक संपन्न होने के साथ ही अब वित्त मंत्रालय में बजट निर्माण की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है।



सेंसेक्स 512 अंक ऊपर 82,105 पर

मृदुभाषी। नई दिल्ली

सेंसेक्स लगातार बढ़ रहा है। शेयर बाजार में आज यानी 16 नवंबर को बढ़त रही। सेंसेक्स 512 अंक चढ़कर 82,105 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 147 अंक की बढ़त रही, ये 25,291 पर बंद हुआ। बैंकिंग और FMCG शेयर्स में आज ज्यादा खरीदारी रही। वहीं ऑटो, फार्मा और मेटल शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही।

चांदी में 7,749 रुपए, सोने के दाम में भी आई कमी

नई दिल्ली। देश के सराफा बाजार से निवेशकों और ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के आंकड़ों के अनुसार, चांदी के दाम में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एक किलो चांदी की कीमत 7,749 रुपए गिरकर 1.70 लाख रुपए पर आ गई है। चांदी के दाम लगभग 11 महीने बाद इस स्तर पर पहुंचे हैं। इससे पहले 1 दिसंबर 2025 को चांदी 1.64 लाख रुपए और 2 दिसंबर 2025 को 1.73 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी।

चांदी के साथ-साथ सोने की चमक भी फीकी पड़ी है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 838 रुपए की गिरावट के साथ 1.34 लाख रुपए पर आ गए हैं। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी 13 नवंबर को सोना 1.36 लाख रुपए और चांदी 1.78 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। यदि इस पूरे महीने के आंकड़ों पर नजर डालें, तो अक्टूबर के आखिरी दिन यानी 30 अक्टूबर को चांदी 1.86 लाख रुपए और सोना 1.40 लाख रुपए पर था। इस प्रकार इस महीने अब तक चांदी करीब 17,000 रुपए और सोना करीब 6,000 रुपए तक सस्ता हो चुका है। देश के विभिन्न शहरों में सोने और चांदी की कीमतों में हल्का अंतर देखने को मिलता है। एक शहर से दूसरे शहर तक सोना और चांदी सुरक्षित पहुंचाने में ईंधन और सुरक्षा का खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर स्थानीय दाम भी बढ़ जाते हैं। दक्षिण भारत में सोने की खपत देश की कुल खपत का करीब 40 प्रतिशत है। वहां ज्वेलर्स बड़ी मात्रा में खरीदारी करते हैं।



महंगे ईंधन-बिजली का असर, थोक महंगाई बढ़ी

नई दिल्ली। देश की थोक महंगाई दर अक्टूबर में बढ़कर 12.29% हो गई। सितंबर में यह 11.39% थी। यानी एक महीने में इसमें 0.90 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई। इसका मतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में थोक बाजार में जो सामान 100 रुपए का मिल रहा था, उसकी कीमत इस साल बढ़कर करीब 112.29 रुपए हो गई। थोक महंगाई में यह लगातार तीसरे महीने बढ़ोतरी है। इसकी बड़ी वजह ईंधन और बिजली के दाम बढ़ना है। इनकी महंगाई दर सितंबर में 25.85% थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 32.84% हो गई। खाने-पीने की चीजों के दाम में थोड़ी राहत मिली है। इनकी महंगाई दर सितंबर के 8.66% से घटकर अक्टूबर में 8.58% रह गई। वहीं, रोजमर्रा की जरूरत की दूसरी चीजों की महंगाई 8.67% से बढ़कर 9.24% हो गई। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से प्रोडक्टिव सेक्टर पर बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) को कंट्रोल कर सकती है, जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है।

आधा नवंबर बीता, फिर भी सर्दी का इंतजार, दिन में गर्मी, रात में ठंड का एहसास

अल नीनो के असर से कड़ाके की ठंड के दिन इस बार रह सकते हैं कम

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। नवंबर का आधा महीना बीत चुका है, लेकिन इस बार सर्दी ने अब तक अपने तेवर नहीं दिखाए हैं। आमतौर पर नवंबर के मध्य तक सुबह और रात में ठंड का असर बढ़ने लगता है, लेकिन इस बार दिन में तेज धूप और गर्मी का अहसास हो रहा है। रात में जरूर तापमान गिरने से हल्की ठंड महसूस हो रही है, लेकिन कड़ाके की सर्दी का इंतजार अभी बना हुआ है। मौसम के इस बदले मिजाज के पीछे अल नीनो का प्रभाव, पूर्वी हवाओं की सक्रियता और उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाओं की मंद गति को प्रमुख वजह माना जा रहा है।

मौसम विशेषज्ञों के आकलन के अनुसार इस बार दिसंबर से फरवरी के बीच उत्तर-पश्चिम भारत में शीतलहर के दिन सामान्य से कम रह सकते हैं। मौसम वैज्ञानिक डीएस पई के मुताबिक नवंबर के आखिरी तीन-चार दिनों में देर रात और सुबह के समय तापमान में कुछ गिरावट आने की संभावना है। हालांकि कड़ाके की ठंड का वास्तविक असर दिसंबर के अंतिम सप्ताह से जनवरी की शुरूआत में महसूस हो सकता है। यानी इस बार ठंड का मुख्य दौर देरी से शुरू होने के आसार हैं।



अल नीनो का प्रभाव नवंबर से दिसंबर तक बने रहने की आशंका

प्रशांत महासागर में सक्रिय बहुत मजबूत अल नीनो का प्रभाव नवंबर से दिसंबर तक बने रहने की आशंका है। इसका असर सर्दी के मौसम पर भी पड़ सकता है। मौसम वैज्ञानिक डीएस पई और स्मिता नायर के शोध में अल नीनो वाले वर्षों में शीतलहर की गतिविधियां औसत से कम रहने का संबंध सामने आया है। पई के 1971 से 2020 तक के अध्ययन के अनुसार 18 अल नीनो वर्षों में से 11 वर्षों में शीतलहर के दिन औसत से कम दर्ज किए गए। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि इस बार ठंड नहीं पड़ेगी। पश्चिमी विक्षोभ और अन्य मौसमी परिस्थितियों के कारण बीच-बीच में तापमान में गिरावट और शीतलहर के दौर बन सकते हैं।

17 से 19 डिग्री बना हुआ है न्यूनतम तापमान

नवंबर के मध्य में मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान सामान्यतः 10 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, लेकिन इस बार यह 17 से 19 डिग्री तक बना हुआ है। इसी तरह अधिकतम तापमान भी सामान्य 22 से 26 डिग्री के मुकाबले 32 डिग्री तक दर्ज हो रहा है। तापमान सामान्य से ऊपर रहने के कारण दिन में गर्मी का अहसास बना हुआ है। यही वजह है कि नवंबर के मध्य में भी लोगों को गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस नहीं हो रही है। मौसम के जानकारों के अनुसार उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाओं की गति अभी मंद है। हवा की दिशा पूर्व और दक्षिण-पूर्व बनी हुई है। जब हवाओं का रुख उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा की ओर होगा, तब तापमान में तेजी से गिरावट आने लगेगी। इसके बाद दिन के तापमान में भी कमी आएगी और सुबह-शाम ठंड का असर बढ़ेगा। फिलहाल दिन में तेज धूप और रात में हल्की ठंड का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

नवंबर में बारिश की संभावना भी कम

नवंबर का महीना सामान्यतः साफ मौसम के लिए जाना जाता है। पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार केवल तीन बार नवंबर में बारिश दर्ज की गई। वर्ष 2014 में 16 नवंबर को 4 मिमी, 2019 में 4 नवंबर को 2.5 मिमी और 2021 में 19 नवंबर को 0.2 मिमी बारिश हुई थी। शेष वर्षों में अधिकांश समय आसमान साफ रहा। इस बार भी फिलहाल मौसम में बड़े बदलाव की संभावना कम है। हालांकि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने पर तापमान में बदलाव आ सकता है।

टीही-धार रेल मार्ग पर होगा ट्रेन संचालन, सीआरएस की हरी झंडी

रेल कनेक्टिविटी को मिलेगी नई गति उद्योग, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा लाभ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिलेवासियों का लंबे समय से देखा जा रहा रेल कनेक्टिविटी का सपना अब साकार होने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गया है। टीही से धार रेल मार्ग का सीआरएस (कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी) निरीक्षण पूरा होने के बाद रेल संचालन की अनुमति मिल गई है। इसके साथ ही इस बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना पर ट्रेन दौड़ने का रास्ता साफ हो गया है। इसे धार लोकसभा क्षेत्र के विकास और परिवहन सुविधाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

इस उपलब्धि के पीछे केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री एवं धार-महू सांसद सावित्री ठाकुर के लगातार प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। सांसद द्वारा रेल परियोजना की प्रगति को लेकर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित विभागों से निरंतर संपर्क बनाए रखा गया। समय-समय पर दूरभाष पर जानकारी लेकर आवश्यक प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करने के लिए पहल की जाती रही। उनके प्रयासों के चलते



परियोजना ने महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है। टीही-धार रेल मार्ग पर संचालन की अनुमति मिलने से अब क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को विस्तार मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। इसका लाभ व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, श्रमिकों और आम यात्रियों को मिलेगा। साथ ही पीथमपुर जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र को बेहतर रेल संपर्क मिलने से औद्योगिक गतिविधियों और माल परिवहन को भी गति मिलने की संभावना है।

सांसद सावित्री ठाकुर ने माना आभार

सांसद सावित्री ठाकुर ने इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में रेलवे का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। नई रेल लाइनें, आधुनिक रेल अवसंरचना और यात्री सुविधाओं का विस्तार विकसित भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान कर रहा है।उन्होंने विश्वास जताया कि टीही-धार रेल मार्ग क्षेत्र के औद्योगिक विकास, व्यापार, रोजगार और पर्यटन के लिए नए अवसर खोलेगा। आने वाले समय में धार लोकसभा क्षेत्र को रेल सुविधाओं के विस्तार का और लाभ मिलेगा। वर्षों से रेल सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रवासियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

15.58 लाख की बीयर और पिकअप हुई जब्त



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलीराजपुर। जिले के थाना चन्द्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध बीयर से भरा एक पिकअप वाहन जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक समर वर्मा ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि 15 नवंबर की रात्रि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग के पिकअप वाहन में अवैध शराब भरकर भाबरा-कट्ठीवाड़ा रोड के रास्ते ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही आजादनगर पुलिस टीम ने ग्राम बड़ी पोल तड़वी फलिया के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर चालक वाहन को तेज गति से भगा ले गया, लेकिन पीछा करने पर वह वाहन को सड़क किनारे छोड़कर मौके से फरार हो गया।

गत्ते की पेटियों में मिलीं 6000 बीयर

पुलिस टीम द्वारा पिकअप वाहन की तलाशी लेने पर उसमें खाकी रंग की गत्ते की पेटियों में माउंट 6000 बीयर भरी हुई मिली। वाहन से कुल 115 सीलबंद पेटियां बरामद की गईं, जिनमें कुल 2,760 केन (प्रत्येक 500 एमएल) यानी कुल 1,380 बल्क लीटर बीयर पाई गई। जब्त बीयर की कीमत 3,58,800 रुपये और प्रयुक्त पिकअप वाहन की कीमत 12,00,000 रुपये आंकी गई है। इस प्रकार कुल 15,58,800 रुपये की सामग्री जब्त की गई है। अज्ञात आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक समर वर्मा ने बताया कि जिले में पिछले दो सप्ताह के भीतर अवैध शराब के विरुद्ध 17 बड़ी कार्यवाहियों समेत कुल 137 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन अभियानों में कुल 49,55,166 रुपये मूल्य की 13,328 लीटर अवैध शराब और 42,45,000 रुपये मूल्य के 8 वाहन जब्त किए गए हैं। आलीराजपुर पुलिस का यह सख्त अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भव्य डोम में सजेगा सामाजिक महाकुंभ

85225 फिट का तैयार हो रहा डोम, मुख्यमंत्री भी होंगे शामिल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 302वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 19 नवंबर को अखिल भारतीय गडरिया महासभा के तत्वावधान में भव्य सामाजिक महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में समाजजन शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर खरगोन, धार और बड़वानी सहित आसपास के जिलों के गांवों में घर-घर पहुंचकर समाजजनों को निमंत्रण दिया जा रहा है। आयोजन को लेकर समाज में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष रामचंद्र गुजर एवं मीडिया प्रभारी भगत पटेल ने बताया कि सामाजिक महाकुंभ की तैयारियां



जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन स्थल गौशाला के सामने बूढ़ी जीन में विशाल डोम तैयार किया जा रहा है। इसकी चौड़ाई 85 फीट और लंबाई 225 फीट रहेगी, जिसमें हजारों समाजजनों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी, वहीं, भोजन प्रसादी के लिए 45105 फीट का भव्य भोजन पंडाल तैयार किया जा रहा है। हजारों लोगों के लिए भोजन बनाने की व्यवस्था हेतु 4560 फीट की विशाल भोजनशाला बनाई जा रही है। इसके साथ ही 3050 फीट का भव्य मंच भी तैयार किया जा रहा है, जहां अतिथियों एवं वक्ताओं के कार्यक्रम होंगे।

एक मंच पर जुटेंगी समाज की विभिन्न उपजातियां

इस सामाजिक महाकुंभ की विशेषता यह रहेगी कि समाज की विभिन्न उपजातियों के सामाजिक बंधु एक मंच पर एकत्रित होंगे। इसमें भारूड, धनगर, पाल, मेवाड़े, बघेल, गारी, गायरी, ग्वाला, यादव, गाडरी सहित अन्य उपजातियों के हजारों समाजजन सहभागिता करेंगे। सभी मिलकर लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती वर्ष को उत्साह और सामाजिक एकता के साथ मनाएंगे।

आयोजन में परम पूज्य दादाजी गुरु का सानिध्य प्राप्त होगा। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में युवराज यशवंतराव होलकर तृतीय उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथियों में कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, प्रहलाद पटेल, सांसद गजेंद्र पटेल, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, महेश्वर विधायक राजकुमार मेव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रस्तावित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय गडरिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती श्रीपाल करेंगे।

अहमदाबाद-मधुबनी के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रतलाम। सर्दियों के त्योहारों में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे अहमदाबाद और बिहार के मधुबनी के बीच स्पेशल ट्रेन चलाएगा। यह ट्रेन 17 नवंबर से चलेगी। गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के रास्ते जाने वाली इस ट्रेन का रतलाम, उज्जैन और सीहोर समेत कई स्टेशनों पर स्टॉपेज रहेगा। ट्रेन में स्लीपर और जनरल कोच होंगे। इसके लिए स्पेशल किराया लिया जाएगा।

ट्रेन नंबर 09433 अहमदाबाद-मधुबनी स्पेशल 17 नवंबर को सुबह 10.10 बजे अहमदाबाद से रवाना होगी। यह ट्रेन दाहोद में दोपहर 1.42 से 1.44 बजे, रतलाम में 3.03 से 3.13 बजे, नागदा में 3.45 से 3.47 बजे और उज्जैन में शाम 5.05 से 5.10 बजे रुकेगी। इसके बाद सीहोर में शाम 7.10 से 7.12 बजे रुकेगी। गुरुवार रात 1 बजे मधुबनी पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 09434 मधुबनी-अहमदाबाद स्पेशल 19 नवंबर को शाम 6 बजे मधुबनी से चलेगी। शुक्रवार रात 9.33 से 9.35 बजे सीहोर, रात 11.35 से 11.40 बजे उज्जैन और शनिवार रात 12.30 से 12.38 बजे नागदा पहुंचेगी। इसके बाद रतलाम में रात 1.40 से 1.45 बजे और दाहोद में सुबह 3.05 से 3.07 बजे रुकेगी। शनिवार सुबह 7.15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। ट्रेन दोनों तरफ आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा और सकरी स्टेशन पर रुकेगी।

धूमधाम के साथ मनाई गई भगवान सहस्त्रबाहु जी की जयंती

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आष्टा। राज राजेश्वर भगवान श्री सहस्त्रबाहु जी की जयंती सोमवार को धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ताम्रकार समाज के भगवान श्री राधाकृष्ण मंदिर पहुंचे एवं भगवान सहस्त्रबाहु जी के दर्शन कर विधि-विधान से भगवान श्री सहस्त्रबाहु जी की आरती की तथा नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।



इस अवसर पर विधायक ने ताम्रकार समाज के सभी नागरिकों को भगवान सहस्त्रबाहु जी की जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु जी का जीवन साहस,पराक्रम, शौर्य और सुशासन का प्रतीक है। उनके आदर्श सदैव समाज को एकता, संगठन और धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे।

विधायक का किया स्वागत

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने ताम्रकार समाज के अध्यक्ष राम ताम्रकार उर्फ पराग,मनोज ताम्रकार,भानु चंद्रवंशी, वेदांत ताम्रकार, संजय ताम्रकार, अखिलेश जैन, शुभम चंद्रवंशी, विनोद जसाठी, मुकेश ताम्रकार, अमित ताम्रकार, अंकित जसाठी, हर्षित कालू ताम्रकार आदि का स्वागत सम्मान किया समाजजनों ने विधायक का आत्मीय स्वागत किया और जयंती के आयोजन में उनकी सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर नगर भाजपा अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया,पूर्व जिला भाजपा मीडिया प्रभारी सुशील संचेती,नगर महामंत्री मोहित सोनी,कृष्णा शर्मा का ताम्रकार समाज ने स्वागत सम्मान किया ।

बैठक कलेक्टर ने नामांतरण-बंटवारे सहित अन्य मामलों को लेकर दिए निर्देश

30 दिन पुराने मामलों की होगी नियमित समीक्षा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। सोमवार को आयोजित समयावधि पत्रों (टीएल) की समीक्षा बैठक में उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों से लेकर नामांतरण-बंटवारे, पेयजल व्यवस्था और स्वामित्व योजना के कार्यों की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विशेष रूप से 30 दिन से अधिक समय से लंबित राजस्व प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग कर उनका निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ अखिलेश कुमार जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत में कलेक्टर ने जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम के सफल



आयोजन के लिए अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तभी संभव है, जब सभी विभाग आपसी समन्वय और बेहतर तालमेल के साथ काम करें। आगामी मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का आयोजन सादलपुर में करने के निर्देश भी दिए।

लंबित शिकायतों पर अधिकारियों की जवाबदेही तय

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का केवल औपचारिक जवाब देने के बजाय आवेदकों की संतुष्टि के साथ निराकरण किया जाए। नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखे जाएं। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को 30 दिन से अधिक पुराने मामलों की नियमित समीक्षा कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

गर्भवती महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिलाएं

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में समग्र आईडी विहीन गर्भवती महिलाओं के प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे मामलों में आवश्यक कार्रवाई की जाए और व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से पात्र महिलाओं तक शासन की योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी हितग्राही लाभ से वंचित न रहे।

बंद नल-जल योजनाएं तत्काल शुरू की जाएं

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को बंद पड़ी नल-जल योजनाओं को प्राथमिकता से दुरुस्त कर दोबारा शुरू करने के निर्देश दिए गए। पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत स्थापित कंट्रोल रूम का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करने को कहा। इसके अलावा पानी की टंकियों में अलार्म सिस्टम लगाने के निर्देश दिए, ताकि टंकी भरते ही मोटर स्वतः बंद हो सके और पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकी जा सके। कलेक्टर ने स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री संबंधी कार्यों को मिशन मोड में पूरा करने तथा शासकीय भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

श्रीमद भागवत कथा 1 जनवरी से होगी, तिवारी करेंगे कथा का वाचन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा समिति द्वारा 1 जनवरी से श्रीमद भागवत कथा का आयोजन कराया जाएगा। आयोजन को लेकर भागवत समिति की बैठक हुई। भागवत समिति के सचिव सुधीर सराफ ने बताया कि नगर में श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा समिति के तत्वाधान में प्रतिवर्ष कथा आयोजन किया जाता हैं। इस वर्ष भी आयोजन को लेकर भागवत समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसहमति से नव वर्ष के प्रथम दिवस 1 जनवरी से 7 जनवरी तक सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन कराने का निर्णय लिया गया।

सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का श्रवण प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पवन तिवारी(पुष्पानंदन जी महाराज)



काटाफोड वाले इंदौर के मुखारविन्द से होगा। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक कथा स्थल विश्वास जिनिग परिसर इंदौर नाका पर होगी । बैठक में आयोजन को लेकर कथा पंडाल, टेंट एवं साउंड व्यवस्था, कलश यात्रा आदि की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर भागवत समिति अध्यक्ष नत्थूलाल पाटीदार,कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाटीदार, वरिष्ठ सदस्य प्रकाशचंद मंडलोई, लक्ष्मण कुशवाह, अभिभाषक राजीव सोहनी, रामा कुशवाह राधे राधे, पंडरी कुशवाह, मनोज सराफ, ओमप्रकाश पाटीदार, गौरव सोनी, गणेश कुशवाह, आदि सदस्य उपस्थित थे।

31 वर्ष से लगातार हो रहा आयोजन

वरिष्ठ सदस्य प्रकाशचंद मंडलोई एवं राजीव सोहनी ने बताया कि श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा समिति द्वारा विगत 31 वर्षों से लगातार नगर में यह आयोजन कराया जा रहा है। इस वर्ष यह 32 वा आयोजन है। 32 वर्ष पूर्व छोटे स्वरूप में शुरू हुआ आयोजन आज विशाल स्वरूप ले चुका हैं ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग हुआ शुरु

40 से 65 वर्ष आयु वर्ग के स्वयंसेवक हो रहे है प्रशिक्षित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा कार्यकर्ता निर्माण एवं संगठन कार्य के विस्तार की दृष्टि से खरगोन स्थित अभ्युदय विश्वविद्यालय परिसर में 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग विशेष का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में वर्ग के सर्वाधिकारी श्री भगवत सिंह बिरदे, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं प्रांत संघचालक श्री प्रकाशचंद्र जी शास्त्री ने दीप प्रज्वलित कर वर्ग का शुभारंभ किया। इस वर्ग में 40 से 65 वर्ष आयु वर्ग के स्वयंसेवक सहभागी हो रहे हैं।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रांत संघचालक प्रकाशचंद्र शास्त्री ने हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कृति के मूल स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी पूजा-पद्धति अथवा भगवान को मानने वाला व्यक्ति हिंदू हो सकता है और किसी भी पूजा-पद्धति अथवा भगवान को नहीं मानने वाला व्यक्ति भी हिंदू हो सकता है। हिंदू संस्कृति और भारतीय संस्कृति एक-दूसरे के पर्याय हैं। भारतीय संस्कृति के मूल में तीन प्रमुख मंत्र हैं–ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनःह्ल, ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल और ह्याइदं न ममह्ल। ये मंत्र विश्व कल्याण, विश्व बंधुत्व एवं त्यागमय जीवन की भावना को अभिव्यक्त करते हैं।



संस्कृति का वास्तविक स्वरूप आचरण में दिखाई दे

उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक को हिंदू संस्कृति के मूल तत्वों को जानना, समझना और अपने आचरण के माध्यम से समाज को सिखाना होगा। संस्कृति का वास्तविक स्वरूप केवल विचारों, भाषणों एवं ग्रंथों तक सीमित न रहे, अपितु वह हमारे जीवन, आचरण एवं व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए। संघ शिक्षा वर्ग स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास तथा संगठन कार्य की समझ को अधिक व्यापक बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस वर्ग में संघ की विचारदृष्टि, कार्यपद्धति एवं संगठनात्मक गतिविधियों के साथ समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में किए जाने वाले कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में सेवा, संपर्क, प्रचार एवं जागरण की कार्यपद्धति के साथ पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, गौ सेवा, धर्म जागरण एवं सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों को विशेष रूप से सम्मिलित किया गया है। इन विषयों के माध्यम से समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संघ की भूमिका एवं कार्यपद्धति की जानकारी दी जाएगी। वर्ग में प्राप्त प्रशिक्षण एवं अनुभव के माध्यम से स्वयंसेवक अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में संघ कार्य को अधिक प्रभावी बनाने तथा समाज जीवन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होंगे।

गोपाष्टमी का महापर्व आज मनाया जाएगा

खंडवा। गोपाष्टमी महापर्व पर भगवन श्री गणेश जी गौशाला में कल 17 नवंबर को विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। समिति के अध्यक्ष राकेश बंसल एवं सचिव रामचंद्र मौर्य ने बताया कि प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल अष्टमी को मनाया जाने वाला पर्व गौपालकों, गौ सेवकों और गौ भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दौरान सुबह 10 बजे गौपूजन एवं गोग्रास में गौवंश को मिष्ठान का भोग भी लगाया जाएगा। प्रदेश की यह अनूठी गौशाला है जहां गौ माता की सेवा के साथ समाज सेवा एवं पशु पक्षियों की सेवा भी की जाती है, इस प्राचीन गौशाला में लगभग 450 पशुधन हैं जिनकी सेवा समिति एवं गौ सेवकों द्वारा द्वारा की जा रही है, आज गोपाष्टमी के पावन अवसर पर प्रातः काल गौपूजन के साथ शाम 7 बजे मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं द्वारा 1100 दीपकों से गौ माता और भारत माता की आरती की जाएगी। इसके साथ ही गोवर्धन पर्वत की शिला का पूजन एवं परिक्रमा, 56 भोग दर्शन, पूजन और प्रसादी वितरण होगा।

347 महीनों से अनवरत चल रहा है अखंड रामायण का पाठ

समिति नेपाल में भी करा चुकी है अखंड रामायण का पाठ

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। धर्म, संस्कृति और भारतीय सभ्यता की अलख जगाने का संकल्प लेकर श्री शिवशक्ति श्री रामचरितमानस सेवा समिति द्वारा चलाया जा रहा मासिक अखंड रामायण पाठ अब एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंच गया है। जोरासी स्थित हनुमान मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर पर समिति का 347वां मासिक अखंड रामायण पाठ श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ।

पाठ की समाप्ति पर मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भोजन प्रसादी ग्रहण की और धर्मलाभ लिया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी और राम नाम के जयकारों से गूंजता रहा।



नव युवकों में धर्म के प्रति आस्था जगा रही समिति

समिति अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि समिति का उद्देश्य केवल पाठ करना नहीं, बल्कि नव युवकों में भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धर्म के प्रति आस्था को बढ़ाना और उन्हें धर्म से जोड़कर रखना है। इसी उद्देश्य को लेकर समिति भारत देश के सभी प्रमुख तीर्थों में अखंड रामायण का पाठ निरंतर कर रही है। उन्होंने बताया कि समिति भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि धर्म की अलख जगाने के लिए नेपाल में भी अखंड रामायण पाठ करके आ चुकी है। जहां भी पाठ होता है, वहां युवाओं में धर्म के प्रति नया उत्साह देखने को मिलता है। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि यह सिलसिला आगे भी इसी तरह अनवरत जारी रहेगा। हर माह होने वाले इस पाठ में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

सनकोटा के पास हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक को टक्कर

शाजापुर। सनकोटा के पास एनएच-52 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हाईवे एंबुलेंस 1033 शाम 4रू30 बजे उसे मृत अवस्था में जिला अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल चौकी प्रभारी बाबूलाल डाबी के मुताबिक युवक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी पहचान पवन पिता रामचंदर निवासी ग्राम उभापान, थाना जीरापुर, जिला राजगढ़ के रूप में हुई। युवक का शव फिलहाल जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है। परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा और शव उन्हें सौंपा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया नगर निगम भवन का लोकार्पण



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। छठ पूजा महापर्व पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सोमवार को विकास कार्यों की श्रृंखला में नगर पालिक निगम, खंडवा के नवनिर्मित कार्यालय भवन का विधिवत लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने फीता काटकर नवीन भवन का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भवन में प्रवेश किया।

महापौर अमृता अमर यादव ने बताया कि लगभग 16 करोड़ 97 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह आधुनिक नगर निगम भवन 30 हजार वर्गफीट भूमि पर विकसित किया गया है।

निर्धारित समय अवधि में पूर्ण हुआ भवन

महापौर ने बताया कि भवन का कुल निर्मित क्षेत्रफल लगभग 65 हजार वर्गफीट है। भूतल सहित पांच मंजिला इस भवन में 80 कक्ष, 22 नागरिक सेवा काउंटर, एक विशाल हॉल तथा दो लिफ्ट की व्यवस्था की गई है इसके अतिरिक्त लगभग 13 हजार वर्गफीट क्षेत्र में पार्किंग विकसित की गई है, जिसमें अनुमानित रूप से 30 चार पहिया एवं 100 दो पहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा उपलब्ध होगी। महापौर के अनुसार भवन निर्माण का कायादेंश अक्टूबर 2024 में जारी किया गया था तथा निर्माण कार्य के लिए दो वर्ष की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। निर्धारित अवधि के अंतर्गत नवंबर 2026 में भवन का निर्माण पूर्ण किया गया।

यह रहेपस्थित

लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक कंचन तनवे, छाया मोरै, नारायण पटेल, निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर महापौर प्रतिनिधि अमर यादव एमआईसी सदस्य सोमनाथ काले, राजेश यादव, अनिल वर्मा, आशीष चटकेले, उषा दीना पवार, फिरोजा मार्शल सहित सम्माननीय पार्षदगण, प्रियांशु चौरे , प्रवक्ता सुनील जैन उपस्थित रहे। साथ ही निगम आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत सहित नगर निगम के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गणगौर घाट पर गाय के दूध से अर्घ्य

सुबह 4 बजे से जुटने लगे थे व्रती परिवार, उदयीमान सूर्य की पूजा के बाद किया पारण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। अंधेरे में जलते दीप, हाथों में पूजन सामग्री और सूर्यदेव के उदय होने का इंतजार... सोमवार सुबह आबना नदी के गणगौर घाट पर छठ महापर्व के समापन का ऐसा ही आस्था भरा नजारा दिखाई दिया। सुबह 4 बजे से ही बड़ी संख्या में व्रती परिवार घाट पहुंचने लगे थे। उदयीमान सूर्य को गाय के दूध से अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हुआ। अर्घ्य के बाद व्रतियों ने पारण कर अपना व्रत खोला।

छठ महापर्व के अंतिम दिन व्रती परिवार घरों में तैयार किए गए पारंपरिक पकवान और पूजन सामग्री लेकर गणगौर घाट पहुंचे। सूर्यदेव के दर्शन होने तक श्रद्धालु पूजा-अर्चना और मंत्र जाप करते रहे। सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। गणगौर घाट पर दो दिनों तक चले आयोजन में बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश और बिहार मूल के परिवारों सहित शहर के श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सांसद, विधायक और महापौर ने भी की पूजा-अर्चना

गणगौर घाट पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, महापौर



अमृता अमर यादव, विधायक कंचन मुकेश तनवे, जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, चारुलता यादव, धर्मेंद्र बजाज, सुनील जैन, हरीश कोटवाले सेवादास पटेल, तपन डोंगरे, कपिल अनजने, चंद्रेश पचौरी, पार्षद किरण प्रेम गोयल, दीपक राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधि पहुंचे। सभी ने सूर्य देवता को जल दूध चढ़ाकर पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यवस्था

सोमवार को महापर्व छठ पूजा समिति की ओर से व्रती परिवारों और दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई। सुनील जैन ने बताया कि नगर निगम प्रशासन द्वारा गणगौर घाट का निर्माण और सौंदर्यीकरण लगातार कराया जा रहा है। इससे छठ महापर्व पर बड़ी संख्या में परिवारों को एक साथ पूजा-अर्चना के लिए बेहतर स्थान मिल रहा है। आयोजन में समिति अध्यक्ष एसजे श्रीवास्तव, सचिव अंकित सिंह, कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा, संतोष शर्मा, अंकेश वर्मा, अभिषेक सिंह, अभिनीत तिवारी, पवन कुमार राय, आदित्य सिंह, रणजीत सिंह, आलोक तिवारी, उमेश भाई, किशोरी प्रसाद, शंभू कुमार, नरेश भाई, प्रशांत शर्मा, हरेंद्र नाथ ठाकुर और माधव झा सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। आयोजन के दौरान पुलिस, नगर निगम और होमगार्ड की टीम व्यवस्थाओं में जुटी रही।

लघु वृत्तचित्र में दिखाया बिरसा मुंडा का जीवन

शासकीय महाविद्यालय में हुआ आयोजन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मोहनबड़ोदिया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आर्यावर्त शासकीय महाविद्यालय में विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष एवं चरित्र पर आधारित लघु वृत्तचित्र दिखाया गया।

वृत्तचित्र के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के साहस, कौशल तथा जल, जंगल और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए उनके योगदान को प्रदर्शित किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और भगवान बिरसा मुंडा के प्रेरणादायी जीवन से परिचित होने का अवसर मिला। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मनोज लश्करी के निर्देशन में किया गया। इस सप्ताह महाविद्यालय में प्रथम सतत व्यापक मूल्यांकन भी प्रारंभ हो चुका है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. दीपा वाडिया, श्रीमती सौम्यासिंह तोमर, डॉ. राजकुमार सूत्रकार, डॉ. प्रीति राजपूत, श्री गोपाल सिंह वर्मा, डॉ. ओमप्रकाश सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



शत-प्रतिशत हितग्राहियों का समग्र ई-केवायसी करवाना सुनिश्चित करें : कलेक्टर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर-मालवा। जिले के सभी जनपद सीईओ और सभी सीएमओ शत-प्रतिशत हितग्राहियों का समग्र ई-केवायसी पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही सभी तहसीलदार खातेदारों की फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करें। यह निर्देश कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने सोमवार को कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक में दिए।

बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्व-रोजगार एवं हितग्राही मूलक योजनाओं में प्राप्त लक्ष्य, बैंकों को प्रस्तुत ऋण प्रकरण, बैंकों द्वारा स्वीकृत प्रकरण एवं ऋण वितरण की योजनावार विभागवार समीक्षा की।

ऋण प्राप्त लाभार्थियों की सूची भी प्रस्तुत करने के निर्देश

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बैंकों को प्रस्तुत प्रकरणों की तुलना में ऋण वितरण अपेक्षाकृत कम प्रकरणों में परिलक्षित हो रहे है, ऐसे में जरूरी है कि संबंधित विभाग बैंक शाखाओं से समन्वय सम्पर्क एवं हितग्राहियों से संवाद कर उन्हें ऋण स्वीकृति एवं वितरण सुनिश्चित करवाएं। कलेक्टर ने कहा कि निर्धारित लक्ष्य का अब तक का अनुपातिक ऋण स्वीकृति एवं वितरण सुनिश्चित करवाएं। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को आगामी टीएल में योजनाओं में ऋण प्राप्त लाभार्थियों की सूची भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को पशुपालन केसीसी के कार्य में तेजी लाने और शेष सभी पशुपालकों को लक्ष्य अनुसार केसीसी प्रदान करवाने के निर्देश दिए। मत्स्य पालन विभाग को जिले के बड़े जलाशयों में मत्स्य पालकों को प्रेरित कर कैज लगवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी स्व-रोजगार योजनाओं में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

विकास औद्योगिक पार्क फेज-3 कलेक्टर ने उपलब्ध कराई 107.50 हेक्टेयर नई जमीन

फ्रांस की कंपनी करेगी 1200 करोड़ का निवेश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर-मालवा। कनाडा के बाद अब फ्रांस की बहुराष्ट्रीय कंपनी सैफलेट माल्ट ने आगर-मालवा जिले में करीब 1200 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव दिया है। कंपनी यहां जौ से माल्ट तैयार करने वाली आधुनिक औद्योगिक इकाई स्थापित करना चाहती है। इसके लिए औद्योगिक पार्क में 20 हेक्टेयर जमीन की मांग की गई है।

प्रस्तावित परियोजना से आगर-मालवा सहित उज्जैन, शाजापुर, देवास और मंदसौर जिले के 50 हजार से अधिक किसानों को जोड़ने की योजना है। कंपनी की योजना सालाना करीब 2.50 लाख टन जौ की खरीदी करने की है। परियोजना स्थापित होने पर कुल 1000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

जौ से तैयार होगा माल्ट, खाद्य और पेय उद्योग में है बड़ी मांग

माल्ट मुख्य रूप से जौ से तैयार किया जाने वाला प्रसंस्कृत उत्पाद है। इसे बनाने के लिए जौ को नियंत्रित परिस्थितियों में पानी में भिगोकर अंकुरण कराया जाता है और निर्धारित तापमान पर सुखाकर माल्ट तैयार किया जाता है। माल्ट का उपयोग खाद्य प्रसंस्करण और पेय पदार्थ उद्योग में बड़े स्तर पर होता है। इसका इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थों के अलावा बिस्किट, ब्रेड, बेकरी उत्पाद, चॉकलेट और अन्य खाद्य उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। आगर-मालवा में इस इकाई के स्थापित होने से कृषि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा।



50 हजार किसानों से होगी खरीदी

परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्र के किसानों को सीधे औद्योगिक बाजार से जोड़ना है। कंपनी किसानों को केवल उपज की खरीदी तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि जौ की गुणवत्ता सुधारने के लिए भी सहयोग देगी। इसके तहत किसानों को उन्नत किस्म के जौ के बीज उपलब्ध कराने, कृषि विशेषज्ञों से सलाह दिलाने, आधुनिक खेती की तकनीक समझाने और निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप उत्पादन के लिए प्रशिक्षण देने की योजना है। इससे किसानों को स्थानीय स्तर पर एक बड़ा औद्योगिक खरीदार उपलब्ध होगा और जौ की खेती को प्रोत्साहन मिलेगा। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीणा ने औद्योगिक पार्क के फेज-3 के विकास के लिए 107.50 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध कराई है। इसी औद्योगिक क्षेत्र में सैफलेट माल्ट को प्रस्तावित इकाई की स्थापना के लिए 20 हेक्टेयर जमीन दिखाई गई है। फिलहाल कंपनी की ओर से निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। जमीन आवंटन सहित अन्य औपचारिकताएं पूरी होने के बाद परियोजना की स्थापना की दिशा में आगे की प्रक्रिया बढ़ेगी। एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सैफलेट माल्ट की ओर से निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। कंपनी को उद्योग की स्थापना के लिए जमीन दिखाई गई है और आगे की प्रक्रिया जारी है।

उत्साहपूर्वक मनाया गया स्काउट का स्थापना दिवस

खरगोन। भारत स्काउट एवं गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिले में स्काउट-गाइड का 77वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर स्थापना सप्ताह के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्काउट-गाइड दलों द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थापना दिवस के अवसर पर संभागीय कार्यालय इंदौर से प्राप्त ध्वज स्टीकर का वितरण संदीपनी विद्यालयों, उत्कृष्ट विद्यालय एवं कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय में किया गया। साथ ही स्टीकर की निर्धारित राशि का संकलन भी किया जा रहा है। स्थापना सप्ताह के दौरान विद्यालयों में स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से संगठन के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई। अंतिम दिवस जिला कमिश्नर स्काउट एवं सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग डॉ. कविता आर्य को संयुक्त सचिव श्रीमती लता चौहान द्वारा स्थापना दिवस का ध्वज स्टीकर लगाया गया।

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री जीवन सेन पिता श्री दयाराम** द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र प्रस्तुत का सम्पत्ति का **खाता क्रमांक 1001321419** पता **पुराना 145, नया 68, अजयबाग कॉलोनी, मूसाखेड़ी, इंदौर** के नाम पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वितीय संस्था, बैंक, निकाय, व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह झोन क्रमांक 18 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्षमय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी छत्रपति शिवाजी (कृषि विहार) झोन क्रमांक 18 नगर निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री मोरध्वज माहौर** पता **35, सम्पत ग्रीन्स, इन्दौर** झोन क्र. 19 वार्ड क्र. पिन. नं. **1000918229** क्रेता **श्रीमती आरती पतिश्री रविन्द्र जैन** जिसके नाम नामांतरण चाहा गया है । इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री महेन्द्र बत्रा** पता **375, श्रीनाथजी विहार, इन्दौर** पिन. नं. **1004615700** झोन क्र. 19 वार्ड क्रेता **श्रीमती मनीषा मालवीय पतिश्री धर्मेन्द्र** जिसके नाम नामांतरण चाहा गया है । इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **17.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

राजसी ठाट-बाट से निकली भगवान महाकाल की सवारी

कार्तिक माह की पहली सवारी, रामघाट पर हुआ तीर्थ पूजन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। भगवान महाकाल जी की कार्तिक माह की पहली सवारी पूरे राजसी ठाट-बाट और शाही वैभव के साथ निकाली गई। शाम 4 बजे महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में विधिवत पूजन-अर्चन और आरती के बाद राजाधिराज महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर रवाना हुए। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों द्वारा भगवान को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई, जिसके बाद सवारी का कारवां आगे बढ़ा।

सवारी में आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। इसमें महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित महाकालेश्वर बैंड अपनी मधुर धुनों से वातावरण को भक्तिमय बना रहा था। इसके साथ ही भजन मंडलियां, पुलिस बैंड, अनुशासित घुड़सवार दल और सशस्त्र पुलिस बल के जवान सवारी की शोभा बढ़ा रहे थे। मार्ग के दोनों ओर खड़े हजारों श्रद्धालु 'जय श्री महाकाल' के जयघोष के साथ अपने आराध्य



की एक झलक पाने के लिए आतुर नजर आए।

भगवान महाकाल का अभिषेक और तीर्थ पूजन

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सवारी महाकाल मंदिर से प्रारंभ होकर महाकाल रोड, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाड़ी होते हुए मोक्षदायिनी शिप्रा नदी के तट स्थित रामघाट पहुंची। परंपरा के अनुरूप भगवान महाकाल प्रतिवर्ष कार्तिक-अगहन मास में तीर्थ पूजन के लिए रामघाट पधारते हैं। यहां मां शिप्रा के पवित्र जल से भगवान महाकाल का विधि-विधानपूर्वक अभिषेक और तीर्थ पूजन किया गया। इस पावन अवसर के साक्षी बनने के लिए रामघाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

सवारी पारंपरिक मार्ग से वापस महाकालेश्वर पहुँची

तीर्थ पूजन के पश्चात भगवान महाकाल की सवारी अपने पारंपरिक वापसी मार्ग की ओर रवाना हुई। यह सवारी गंधर्व घाट, गणगौर दरवाजा, मोड़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी बाजार से गुजरते हुए पुनः महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

पानी की कमी को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

उज्जैन। जिले की तराना विधानसभा में कम बारिश और सिंचाई के पानी की कमी को लेकर सोमवार को किसानों ने प्रदर्शन किया। विधायक महेश परमार के नेतृत्व में किसान, कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी दोपहर में कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठ गए। करीब साढ़े चार घंटे बाद शाम 4:30 बजे प्रदर्शन खत्म हुआ। प्रशासन ने मांगों पर कार्रवाई के लिए एक महीने का समय मांगा। प्रदर्शनकारियों ने नर्मदा पाइपलाइन से जुड़े 77 गांवों में पानी शुरू कराने की मांग की। विधायक महेश परमार ने कहा कि पाइपलाइन पिछले एक महीने से बंद है, जबकि किसान बोवनी कर चुके हैं। कई जगह पाइपलाइन में प्रेशर की समस्या से पानी नहीं पहुंच रहा है। उन्होंने नर्मदा परियोजना से वंचित तराना विधानसभा के गांवों को भी पाइपलाइन से जोड़ने की मांग की। किसानों ने कालीसिंध नदी समेत तराना, माकड़ोन और कायथा के नदी-तालाबों में नर्मदा का पानी छोड़ने की मांग भी की। उन्होंने बिजली कटौती बंद करने, घरेलू और कृषि बिजली नियमित देने और बिजली बिलों की वसूली रोकने की मांग रखी। विधायक ने विधानसभा क्षेत्र और जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर पैकेज देने की मांग की।

एनएसयूआई ने नारेबाजी करते हुए किया उग्र प्रदर्शन

विक्रम यूनिवर्सिटी में हंगामा कुलसचिव को दिखाया जूता

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। विक्रम यूनिवर्सिटी में सोमवार दोपहर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैज्ञानिक दावों को लेकर कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपने पहुंचे कार्यकर्ताओं और विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल शर्मा के बीच तीखी बहस हो गई, जो देखते ही देखते उग्र प्रदर्शन में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस दौरान कुलपति पर जूता उठाकर जिलाध्यक्ष ने उनसे कहा कि जूता खाओगे क्या?

प्रदर्शन की शुरूआत में कार्यकर्ता अपने साथ कागज से बनी दो मशीनों के मॉडल लेकर पहुंचे थे, जिनका उन्होंने परिसर में प्रैक्टिकल करके दिखाया। इसके बाद जब कार्यकर्ता कुलपति के नाम ज्ञापन देने के लिए कुलसचिव कार्यालय पहुंचे, तो वहां चैनल गेट पर ताला लगा हुआ था। गेट बंद देखकर कार्यकर्ता भड़क गए और वहीं बैठकर करीब 25 से 30 मिनट तक लगातार नारेबाजी करते हुए कुलसचिव को बाहर बुलाने की मांग पर अड़ गए।

दूसरे रास्ते से विश्वविद्यालय परिसर में दाखिल हुए कार्यकर्ता

काफी देर तक कोई सुनवाई न होने पर आक्रोशित कार्यकर्ता दूसरे रास्ते से विश्वविद्यालय परिसर



में दाखिल हुए और कुलसचिव कार्यालय के मुख्य द्वार तक जा पहुंचे। यहां भी चैनल गेट पर ताला लगा देख कार्यकर्ताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने चैनल गेट पर लातें मारकर ताला तोड़ने का प्रयास किया। इस धक्का-मुक्की और तोड़फोड़ के दौरान कार्यालय की दीवार पर लगी नेमप्लेट भी उखड़कर नीचे गिर गई और टूट गई।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष और कुलसचिव के बीच तीखी नोकझोंक

हंगामे की आवाज सुनकर जब विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल शर्मा बाहर आए, तो स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। ज्ञापन लेने में हुई देरी और कार्यालय में ताला लगाने की बात को लेकर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष हिमांशु शुक्ला और कुलसचिव के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर हिमांशु शुक्ला ने अचानक अपना जूता हाथ में उठा लिया और कुलसचिव की ओर इशारा करते हुए कहा, 'जूते खाओगे'। इस दौरान मौके पर मौजूद अन्य कार्यकर्ता भी 'सत्ता के दलालों को जूते मारो' जैसे उग्र नारे लगाते रहे। काफी देर तक चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामा के कारण विश्वविद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बाद में कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया।

मैराथन दौड़ में 300 से अधिक ने लिया भाग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। न्यायोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को मैराथन दौड़ आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों के बालक-बालिकाओं, युवाओं और नागरिकों सहित 300 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष कपिल कुमार मेहता ने जिला न्यायालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर मैराथन रवाना की।

दौड़ एबी रोड होते हुए बस स्टैंड के समीप डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा तक पहुंची और वापस जिला न्यायालय परिसर में संपन्न हुई। आयोजन का उद्देश्य आमजन में विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और न्याय की उपलब्धता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। साथ ही स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल भावना का संदेश दिया गया। समापन पर विभिन्न आयु वर्गों के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र दिए गए। ओपन वर्ग के विजेताओं को नगद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। ओपन पुरुष वर्ग में राजू यादव प्रथम, पीयूष मीना द्वितीय और हर्ष राव तृतीय रहे। ओपन महिला वर्ग में मुस्कान राजपूत ने प्रथम, खुशबू देवरे ने द्वितीय और हिमानी लोधी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। न्यायिक अधिकारी जितेन्द्र सिंह कुशवाह ने भी अपनी आयु वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया।कपिल कुमार मेहता ने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने विधिक अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए न्यायोत्सव के उद्देश्यों की जानकारी दी।

खेतों तक नहीं पहुंच रहा है नर्मदा का पानी

15 दिन से सिंचाई नहीं कर पा रहे किसान, फसलों को नुकसान की आशंका

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। माँ नर्मदा पाईप लाईन की राह देख रहे किसानों का इंतजार तो पूरा हुआ और क्षेत्र तक पाईप लाईन भी पहुंच गई, लेकिन अब तक खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। इसे लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नही किया गया तो फसलों को भारी नुकसान हो सकता है।

जिले के मक्सी क्षेत्र में नर्मदा परियोजना से सिंचाई के लिए पानी मिलना शुरू तो हो गया है, लेकिन कम प्रेशर के कारण खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। किसान पिछले 13 से 15 दिनों से सिंचाई के पानी का इंतजार कर रहे हैं। हजारों बीघा में बोई गेहूं, चना और अन्य रबी फसलों पर संकट मंडरा रहा है। परेशान किसानों



ने मक्सी में बैठक कर जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई और आंदोलन की रणनीति बनाई।

कम प्रेशर बना परेशानी

नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय परियोजना के तहत मक्सी क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी दिया जाना है। जलालपुर खेड़ा, लुनियाखेड़ी रोड और आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों किसानों ने गेहूं, चना सहित अन्य रबी फसलों की बोवनी की है। किसानों को उम्मीद थी कि परियोजना से समय पर पानी मिलने से सिंचाई की समस्या दूर होगी, लेकिन पानी की आपूर्ति शुरू होने के बाद भी कम प्रेशर के कारण खेतों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। किसानों ने बताया कि वे पिछले 13 दिनों से पर्याप्त पानी का इंतजार कर रहे हैं। कुछ जगह तीन दिन में एक बार पानी मिल रहा है, जबकि कम प्रेशर के कारण कई खेतों तक पानी पहुंच ही नहीं पा रहा। किसानों ने बीज, खाद, बोवनी और सिंचाई पर हजारों रुपए खर्च किए हैं और यदि समय पर पानी नहीं मिला तो फसल के साथ पूरी लागत भी बर्बाद हो सकती है।

हल हो समस्या, नहीं तो करेंगे आंदोलन

समस्या से परेशान किसानों ने मक्सी में बैठक कर अपनी मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि केवल परियोजना से पानी छोड़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खेतों तक नियमित और पर्याप्त प्रेशर से आपूर्ति होना जरूरी है। किसानों ने अधिकारियों से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग की है। समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। नर्मदा परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार ट्रिपिंग की समस्या के कारण पानी का पर्याप्त प्रेशर नहीं बन पा रहा है। अधिकारियों ने व्यवस्था में सुधार कर समस्या का समाधान करने का प्रयास करने की बात कही है। फिलहाल किसानों की नजरें पानी की नियमित आपूर्ति पर टिकी हैं। समय पर सिंचाई नहीं होने से हजारों बीघा में खड़ी फसल प्रभावित हो सकती है।

धूमधाम से 20 को मनेगा श्याम बाबा का जन्मोत्सव

56 भोग, अखंड ज्योत, 101 दीपों से महाआरती और भंडारा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। अमृत नगर स्थित खाटू श्याम धाम मंदिर में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर 20 नवंबर को खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जन्मोत्सव को लेकर मंदिर समिति द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

इस अवसर पर बाबा के दरबार को आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ विशेष रूप से सजाया जाएगा। मंदिर परिसर को उज्जैन, रतलाम और पुणे से मंगवाए गए विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों से भव्य रूप दिया जाएगा। मंदिर समिति ने बताया कि बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर उनके शीश का अलौकिक श्रृंगार चंदन, मोगरा, केसर एवं चमेली के फूलों से किया जाएगा। बाबा को छप्पन भोग अर्पित किए जाएंगे तथा पवित्र ज्योत प्रज्वलित कर महाआरती का आयोजन होगा। इस दौरान 101 दीपों से बाबा श्याम की भव्य आरती की जाएगी।

खिचड़ी की चलित भंडारा

श्याम प्रभु के दरबार में खिचड़ी का चलित भंडारा भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जाएगी। वहीं महिला मंडल की राधा ठाकुर द्वारा श्याम भजनों की मधुर प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठेगा। बाबा के जन्मोत्सव को विशेष बनाने के लिए श्याम प्रेमियों द्वारा केक काटकर, ट्रॉफियां बांटकर एवं गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर उत्सव मनाया जाएगा। दिनभर श्रद्धालुओं के दर्शन एवं पूजन के लिए मंदिर के पट खुले रहेंगे।

खेल मंत्री आज करेंगे कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। शहर में 17 से 19 नवंबर 2026 तक राज्य स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता श्रीमंत तुकोजीराव पवार इनडोर स्टेडियम, भोपाल चौराहा, देवास में आयोजित होगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग एवं विधायक गायत्री राजे पवार द्वारा किया जाएगा। संगठन के सचिव अनवर खान ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विष्णु वर्मा, उपाध्यक्ष अफजल खान, सयुक्त सचिव विशाल शर्मा, कोषाध्यक्ष संदीप जाधव प्रिया नाटले तथा सदस्य सुनील मालवीय, फिरोज खान, हेमेन्द्र निगम, हरिप्रिया यादव, उर्वशी मंडलोई, रानी बघेल, तनिश मोदी, तेजस ठाकुर, लखन योगी, हर्ष प्रजापति, एवं इकबाल खान के मार्गदर्शन में किया जाएगा।

व्यापक तैयारियां

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश की महिला कबड्डी खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा और कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। आयोजन को सफल बनाने के लिए संगठन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री आज करेंगे 9.44 करोड़ के सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का लोकार्पण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल 17 नवंबर को देवास को एक बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) से जुड़कर देवास को कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम देवास में लगभग 9.44 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित 400 मीटर लंबाई के 8 लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम दोपहर



1 बजे से शुरू होगा।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। नवनिर्मित सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक देवास जिले की खेल अधोसंरचना को नई मजबूती प्रदान करेगा। इस आधुनिक ट्रैक के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों को एथलेटिक्स के अभ्यास एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे स्थानीय खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता निखारने, बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे। यह आधुनिक खेल सुविधा देवास जिले में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने और उभरती हुई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

आयोजन गांधीसागर पंड स्टोरेज परियोजना स्थल पर मीडिया प्रतिनिधियों का भ्रमण

निर्माण की प्रगति, ऊर्जा भंडारण की ली जानकारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खेमला ब्लॉक में विकसित की जा रही 1920 मेगावाट क्षमता की गांधीसागर पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना की निमार्णाधीन साइट पर मीडिया भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शाजापुर जिले के प्रिंट मीडिया तथा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने भ्रमण कर प्रत्यक्ष अवलोकन किया। कार्यक्रम का आयोजन शाजापुर जिला जनसंपर्क प्रभारी अधिकारी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में कंपनी के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट स्वपन मोहंती द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की परिकल्पना, निर्माण की प्रगति, तकनीकी विशेषताओं एवं ऊर्जा भंडारण की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही परियोजना स्थल पर लागू सुरक्षा मानकों एवं आवश्यक सावधानियों से भी



अवगत कराया गया। इसके पश्चात मीडिया प्रतिनिधियों ने परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान लोअर रिजर्वायर, काफर डैम, भूमिगत पावर हाउस एवं अपर रिजर्वायर सहित प्रमुख निमार्णाधीन संरचनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। कंपनी के अधिकारियों ने इन संरचनाओं की तकनीकी उपयोगिता, विद्युत उत्पादन की प्रक्रिया तथा भविष्य में देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में परियोजना की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

11 हजार 500 करोड़ से विकसित हो रही परियोजना

मीडिया प्रतिनिधियों को बताया गया कि लगभग 11,500 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जा रही यह परियोजना भारत की सबसे बड़ी निमार्णाधीन स्वतंत्र पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना है। इसकी स्थापित क्षमता 1,920 मेगावाट है। परियोजना के माध्यम से अतिरिक्त सौर एवं पवन ऊर्जा का उपयोग कर जल को ऊपरी जलाशय में संग्रहित किया जाएगा तथा आवश्यकता के समय इसी जल से टरबाइन संचालित कर विद्युत उत्पादन किया जाएगा। यह परियोजना अधिकतम 6 घंटे तक निरंतर विद्युत उपलब्ध कराने में सक्षम होगी। विशेष रूप से पीक आवर्स में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा की उपलब्धता में होने वाले उतार-चढ़ाव को संतुलित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। परियोजना में गांधीसागर जलाशय के जल का नान-कंजम्प्टिव आधार पर पुनः उपयोग किया जाएगा, जिससे जल की खपत नहीं होगी।

4 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

परियोजना से क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिल रही है। निर्माण कार्यों के दौरान अब तक लगभग 4 हजार लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों, स्थानीय रोजगार एवं विकास की संभावनाओं को और विस्तार मिलेगा।

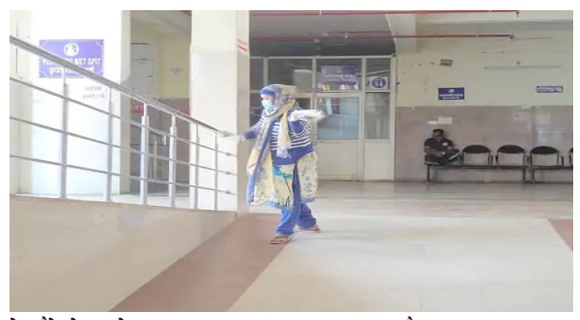
जिला अस्पताल आएगी राष्ट्रीय टीम, चल रही निरीक्षण की तैयारी

तीसरे सप्ताह होगा सीआरएम टीम का निरीक्षण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिला अस्पताल में नवंबर के तीसरे सप्ताह में कामन रिव्यू मिशन (सीआरएम) की नेशनल टीम निरीक्षण करेगी। इसके लिए अस्पताल प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यहां सफाई को चाक-चौबंद किया जा रहा है। साथ ही तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन का प्रयास है कि आने वाली टीम को अस्पताल की सारी व्यवस्थाओं को चकाचक दिखाया जाए।

व्यवस्थाओं का जायजा लेने भोपाल और उज्जैन की अलग-अलग टीमें कल अस्पताल पहुंचेंगी। अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को अव्यवस्थाओं के कारण परेशानी होने की बात सामने आती रही है। वरिष्ठ अधिकारियों



के दौरे से पहले अस्पताल प्रशासन तैयारियों में जुट जाता है। बता दें कि बीते दिनों अस्पताल की अव्यवस्थाओं और लापरवाही को लेकर ककई बार खबरें प्रकाशित होती आई हैं। हाल ही में एक प्रसूता व उसके बच्चे की मौत के बाद भी यहां परिजनों द्वारा हंगामा किया गया था। इसके अलावा और भी कई खामियां है जिसका सामना आए दिन मरीजों व उनके परिजनों को करना पड़ता है।

फायर होज ड्रम की व्यवस्था सुधारी

हालांकि निरीक्षण की खबर मिलने के बाद से यहां अस्पताल प्रशासन ने फायर होज ड्रिल ड्रम की व्यवस्था सहित अन्य में सुधार करने का काम शुरू कर दिया है ताकि अधिकायिों के सामने व्यवस्थाओं को बेहतर बताया जा सके।

अफसरशाही की रस्साकशी में अटका शहर का विकास

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर के विकास की जिम्मेदारी संभालने वाली गुना नगरपालिका इन दिनों विकास कार्यों से ज्यादा प्रशासनिक खींचतान को लेकर चर्चा में है। नगरपालिका अध्यक्ष और मुख्य नगरपालिका अधिकारी के बीच कथित तालमेल की कमी और अधिकारियों की कार्यप्रणाली का खामियाजा शहर के नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है।

पिछले 16 महीनों से निर्माण और विकास कार्यों की रफ्तार थमी हुई है। कहीं टेंडर निरस्त हो रहे हैं तो कहीं फाइलें महीनों तक अधिकारियों की टेबल पर धूल खा रही हैं। हालात यह हैं कि विकास कार्यों से जुड़े लगभग 65 टेंडर निरस्त या अटके होने की बात सामने आई है, जबकि सैकड़ों नामांतरण के मामले लंबित बताए जा रहे हैं। नगरपालिका अध्यक्ष ने इस स्थिति को लेकर क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी पत्र लिखकर अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा चुकी हैं। लेकिन अब तक समस्या का समाधान होता नजर नहीं आ रहा। जानकारी के मुताबिक विकास कार्यों से संबंधित लगभग 65 टेंडर निरस्त कर दिए या उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। ये आंकड़े नगरपालिका की कार्यप्रणाली और नागरिक सेवाओं की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यदि इतने बड़े पैमाने पर विकास कार्य और नामांतरण लंबित हैं, तो इसका सीधा असर शहर के विकास और आम नागरिकों के कामकाज पर पड़ना स्वाभाविक है।



40 लाख की खरीदी, पांच महीने तक घूमती रही फाइल

नगरपालिका में अधिकारियों की सुस्ती का एक उदाहरण शहर की स्ट्रीट लाइट और विद्युत व्यवस्था से जुड़ी सामग्री की खरीदी में सामने आया है। शहर की बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए मेटल बल्ब, एल्युमिनियम वायर, कॉपर वायर और एलईडी प्लेट जैसी आवश्यक सामग्री खरीदी जानी थी। इसके लिए विद्युत विभाग के कार्य देखने वाले नरेंद्र नौनेरिया ने 21 मार्च को दो अलग-अलग नोटशीट तैयार की थीं। प्रत्येक प्रस्ताव के लिए 20 लाख रुपये, यानी कुल 40 लाख रुपये की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मांगी गई थी। नियमित प्रक्रिया के तहत 8 अप्रैल को सब इंजीनियर ने प्रस्ताव को पीआईसी की बैठक में रखने की बात कही। इसी दिन सीएमओ और नगरपालिका अध्यक्ष ने फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद 20 मई को पीआईसी की बैठक में प्रस्ताव पारित कर दिया गया। उम्मीद थी कि अब खरीदी की निविदा प्रक्रिया जल्द पूरी हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रस्ताव पारित होने के बाद भी फाइल लगभग दो महीने तक आगे नहीं बढ़ी और 29 जुलाई को सब इंजीनियर ने इसे आगे बढ़ाया। इसके बाद असिस्टेंट इंजीनियर ने 25 अगस्त को फाइल आगे भेजी। सीएमओ के हस्ताक्षर के बाद भी प्रक्रिया में तेजी नहीं आई।

अध्यक्ष की नाराजगी भी नहीं ला सकी तेजी

18 सितंबर को जब फाइल नगरपालिका अध्यक्ष के पास पहुंची तो उन्होंने देरी पर नाराजगी जताते हुए कड़ा नोट लिखा। अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि पीआईसी की स्वीकृति के बावजूद उपयंत्री और सहायक यंत्री ने निविदा जारी करने में चार महीने क्यों गंवा दिए।

उन्होंने तत्काल निविदा तैयार कर प्रकाशित कराने के निर्देश दिए। इसके बाद 24 सितंबर को सीएमओ ने नियमानुसार निविदा जारी करने की बात लिखी और 1 अक्टूबर को अध्यक्ष ने अखबार में विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए फाइल आगे बढ़ाई। इसके बावजूद उपलब्ध जानकारी के अनुसार टेंडर जारी नहीं हो सका। शहर की स्ट्रीट लाइट और विद्युत व्यवस्था के लिए जरूरी सामग्री की खरीदी ही समय पर नहीं हो पाना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

सिंधिया की छवि भी हो रही धूमिल

नगरपालिका अध्यक्ष और सीएमओ के बीच चली आ रही रस्सीकसी के चलते स्थानीय सांसद और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की छवि पर भी असर पड़ रहा है। दरअसल, साल 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया को गुना नगरीय क्षेत्र से 50 हजार से अधिक मतों की लीड मिली थी। लोगों को उम्मीद थी कि ज्योतिरादित्य सिंधिया नगरपालिका को निर्देशित कर शहर विकास को आगे बढ़ाएंगे। लेकिन अफसोस कि विकास कार्यों में तेजी आने की बजाए सुस्ती आ गई है।

अध्यक्ष-सीएमओ से नहीं हो सका संपर्क

इस संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। जानकारी सामने आई है कि अध्यक्ष अपने पुत्र के वैवाहिक आयोजन संबंधी कार्यों में व्यस्त हैं। सीएमओ शैलेष अवस्थी से भी संपर्क स्थापित नहीं हो सका।

भाजपा कैंट मंडल की मासिक बैठक और दीवाली मिलन समारोह आयोजित

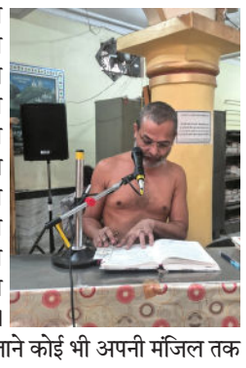


मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। भाजपा कैंट मंडल की मासिक कामकाजी बैठक और दीवाली मिलन समारोह निजी होटल में रखा गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं की उपस्थिति में हुआ, जिसमें संगठन की कार्यप्रणाली और आगामी रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचारधारा, संगठन और राष्ट्रसेवा के संकल्प पर आधारित एक विशाल कार्यकर्ता परिवार है। जिला मीडिया प्रभारी अंकुर श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि वरिष्ठ नेतृत्व के निदेशार्नुसार जिले के सभी मंडलों में मासिक बैठकें हो रही हैं। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरि सिंह यादव, जिला प्रभारी गजेंद्र सिंह सिकरवार, पूर्व विधायक गोपीलाल जाटव, राधेश्याम पारिख, मंडल प्रभारी अनिल जैन, महामंत्री रविंद्र रघुवंशी, संतोष धाकड़ और मंडल अध्यक्ष परेश भार्गव समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वास्तविक मोक्ष मार्ग पर चलकर ही संभव है मंजिल की प्राप्ति



आरोन। नगर में चातुर्मास हेतु विराजमान मुनि श्री निरोग सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं को वास्तविक मोक्ष मार्ग का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि यदि संसार रूपी नौका को पार लगाना है, तो इसके सही मार्ग की पहचान करना बेहद आवश्यक है। बिना वास्तविक मार्ग को जाने कोई भी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सकता।

मुनि श्री ने स्पष्ट किया कि मोक्ष रूपी मंजिल को पाने के लिए मोक्ष मार्ग पर चलना सीखना होगा। केवल मोक्ष लक्ष्मी की चाह रखने और गलत मार्ग पर चलने से वास्तविक लक्ष्य कभी प्राप्त नहीं हो सकता। मोक्ष प्राप्ति के लिए सही दिशा में आगे बढ़ने के साथ-साथ कठिन पुरुषार्थ की भी आवश्यकता होती है। यदि मनुष्य केवल संसार के प्रपंचों और धन-दौलत की कमाई में ही उलझा रहेगा, तो उसका मोक्ष मार्ग कभी प्रशस्त नहीं हो सकता। प्रवचन से पूर्व उपस्थित श्रावकों द्वारा आचार्य श्री विद्या सागर महाराज की सामूहिक पूजन और आराधना की गई। मुनि श्री के इस प्रेरणादायी संदेश से वहां मौजूद सभी श्रद्धालु लाभान्वित हुए।

नाम जप की महिमा अपार, इसी से मनुष्य का उद्धार संभव : महामंडलेश्वर विष्णु दत्त शास्त्री

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



गुना। सिसोदिया कॉलोनी में शिक्षा विभाग के पीछे शर्मा परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान 1008 महामंडलेश्वर ब्रह्मचारी विष्णु दत्त शास्त्री जी महाराज ने नाम जप की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि नाम जप की महिमा अपार है और इसके माध्यम से ही मनुष्य इस जीवन में अपना उद्धार कर सकता है। यदि व्यक्ति भगवान का होकर नाम जप करे, तो उसका जीवन धन्य हो जाता है।

कथा वाचन करते हुए महाराज श्री ने बताया कि ईश्वर का नाम सदैव गोपनीय ढंग से और मन में प्रभु का ध्यान बसाकर निरंतर जपना चाहिए। जैसे-जैसे जाप बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रभु की निकटता प्राप्त होती है और व्यक्ति इस भवसागर से तर सकता है। उन्होंने कहा कि कई करोड़ योनियों के बाद दुर्लभ मनुष्य जन्म मिलता है और भारत खंड में जन्म लेने वाला प्रत्येक व्यक्ति मोक्ष का अधिकारी है। इसलिए इस जीवन का उपयोग इंद्रियों के भोग-विलास में भटकने के बजाय हरि स्मरण और मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

महामंडलेश्वर जी ने कहा कि भोग दुखों का कारण है, जबकि संतों के सत्संग और हरि स्मरण से ही सच्चा सुख व आत्मा का उद्धार संभव है। उन्होंने जीवन के महत्व को समझाते हुए कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ है, इसलिए कभी भी आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम नहीं उठाना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने वाला कई प्रेत योनियों में भटकता है। अंत समय में भी ईश्वर का नाम उन्हीं की जुबान पर आता है, जो जीवनभर प्रभु भक्ति से जुड़े रहते हैं। आयोजन समिति के अनुसार, कथा के अगले क्रम में मंगलवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

15 वाहन चालकों पर कार्रवाई, साइलेंसर जब्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



राजगढ़। ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने और आम नागरिकों को तेज एवं कर्कश आवाज से होने वाली परेशानी से निजात दिलाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे के मार्गदर्शन में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस प्रभावी कार्रवाई के तहत थाना ब्यावरा शहर और यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बुलेट मोटरसाइकिलों में लगे 15 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए और संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की।

अभियान के दौरान थाना ब्यावरा शहर पुलिस ने एसडीओपी प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी निरीक्षक शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में चेकिंग की। इस दौरान 09 बुलेट मोटरसाइकिलों में निर्धारित मानकों के विपरीत मॉडिफाइड साइलेंसर लगे मिले। पुलिस टीम ने सभी 09 साइलेंसर विधिवत जब्त कर लिए और प्रत्येक वाहन पर 1,000 रुपये के मान से कुल 9,000 रुपये का चालान काटा। इसी प्रकार यातायात पुलिस राजगढ़ ने प्रभारी रक्षित निरीक्षक देवनारायण पांडे के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए 06 बुलेट मोटरसाइकिलों से मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए।

6 हजार का चालान

यातायात पुलिस द्वारा भी इन चालकों के विरुद्ध प्रति वाहन 1,000 रुपये के हिसाब से कुल 6,000 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। इस प्रकार कुल 15 बुलेट मोटरसाइकिलों से मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त कर कुल 15,000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया।

निर्धारित मानकों के साइलेंसर इस्तेमाल करें

राजगढ़ पुलिस ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में केवल निर्धारित मानकों के अनुरूप बने साइलेंसर का ही उपयोग करें। मॉडिफाइड साइलेंसर या तेज आवाज उत्पन्न करने वाले अन्य उपकरणों का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे फैलने वाली कर्कश ध्वनि से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है और लोगों को परेशानी होती है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ यह सघन चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर मृत गाय के ऊपर से गुजरी कार

गुना। म्याना क्षेत्र में साक्षी कॉलेज के गेट के सामने सड़क पर पड़ी एक मृत गाय के ऊपर से तेज रफ्तार कार के गुजरने का मामला सामने आया है। इस संवेदनशील स्थिति को देखकर म्याना टाउन की प्रबंधन टीम के सदस्यों ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल मदद के लिए कदम बढ़ाया और सराहनीय पहल की है। जब टीम के सदस्य अपने एक मित्र के साथ उस मार्ग से गुजर रहे थे, तो उन्होंने सड़क पर लावारिस पड़े मृत पशु की उपेक्षा और उसके ऊपर से वाहन गुजरते हुए देखा। इसके बाद टीम ने तुरंत मौके पर रुककर गाय के शव को सड़क के बीच से हटाकर सुरक्षित किनारे पर पहुंचाया। साथ ही, सड़क पर बिखरे अवशेषों को व्यवस्थित कर एक सुरक्षित स्थान पर उनका अंतिम निस्तारण किया, ताकि मार्ग पर गंदगी न फैले और आने-जाने वाले राहगीरों को किसी प्रकार की परेशानी या दुविधा का सामना न करना पड़े।

थाना प्रभारी ने निकाली गुंडे-बदमाशों की परेड



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कुंभराज थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराधों और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसते के लिए थाना प्रभारी अमित अग्रवाल ने शातिर बदमाशों, गुंडों की परेड निकाल दी। इस दौरान सभी आरोपी हाथों में अपनी पहचान से जुड़ी तख्तियां थामे और सिर झुकाकर कतार में खड़े नजर आए, जिससे अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ साफ दिखाई दिया। परेड के दौरान टीआई अमित अग्रवाल ने सभी बदमाशों को एक-एक कर कड़ी हिदायत दी।

उन्होंने दो टूक शब्दों में समझाया कि वे अपनी आपराधिक हरकतें छोड़कर शांतिपूर्ण जीवन अपनाएं, मेहनत की कमाई खाएं और अपने परिवार का भरण-पोषण करें। पुलिस अधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अब किसी भी व्यक्ति की ओर से जरा सी भी शिकायत थाने तक पहुंची, तो बिना किसी सिफारिश या लीपापोती के सीधे जिलाबदर की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। टीआई ने कड़े लहजे में कहा कि क्षेत्र में किसी भी तरह की दादागिरी, धमकी देना, मारपीट, अवैध वसूली या जनता में खौफ पैदा करने की हरकतें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

क्षत्रिय खंगार महासभा की बैठक आयोजित

गुना। अखिल भारतीय क्षत्रिय खंगार महासभा द्वारा नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मोनू सिंह परिहार के नेतृत्व में रविवार को गुना, आरोन, राघौगढ़ और बमोरी ब्लॉक के विभिन्न क्षेत्रों में समाजजनों के साथ बैठक रखी गई।

इन अलग-अलग बैठकों में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बालिका में अशोकनगर, बालक में गुना विजेता



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। संजय स्टेडियम के बास्केटबॉल मैदान पर 70 वीं संभाग स्तरीय शालेय डॉजबाल प्रतियोगिता शुरु हुई। इस दौरान मुख्य अतिथित भाजपा जिला महामंत्री सलिल त्रिपाठी ने कहा कि हमे खेल भावना से खेलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अध्यक्ष जन भागीदारी समिति नेहरू महाविद्यालय महेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि आज जो टीम यहां उपस्थित हुई है वह बहुत ही सुंदर खेल का परिचय देते हुए खेल भावना से खेले, खेल में जीत हार तो होती ही रहती है पर हमें अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है। इस दौरान मुकेश ओझा मंडल उपाध्यक्ष अशोक नगर एवं श्रीमती मधु शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री एनिस जैन सहायक संचालक ए डी पी सी मौजूद रहे। इस दौरान मनोज राठौर क्रीड़ा अधिकारी ने खेल प्रतिवेदन पढ़ा और वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक प्रहलाद श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया।

इस अवसर पर अनिल शर्मा, शशिकांत भार्गव, श्रीमती शालिनी श्रीवास्तव कविता विश्वकर्मा, पवन पाल, प्रदीप लोधी, अवंतिका शर्मा, विनोद शर्मा, राजेश सोनी, शुभम तिवारी, रोहित रघुवंशी, अनुराग ठाकुर, अमित जैन ने समस्त अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

नपाध्यक्ष ने भी लिया मैच का आनंद

प्रतियोगिता के दौरान स्टेडियम में नपाध्यक्ष नीरज मनोरिया ने भी मैच का आनंद लिया और सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुये अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद जताई। कार्यक्रम के अंत में आभार शशिकांत भार्गव ने व्यक्त किया और मंच संचालन दुष्यंत दुबे ने किया। संभागीय प्रतियोगिता के परिणाम में बालिका वर्ग की विजेता अशोकनगर टीम बनी और उपविजेता गुना रहीं जबकि बालक वर्ग में उलट फेर करते हुये गुना विजेता और अशोकनगर को उपविजेता से संतुष्ट होना पढ़ा। जबकि दोनों ही वर्गों में भिण्ड तीसरे स्थान पर रही।

बजरंग गढ़ में खाटू श्याम बाबा की निकली शाही पालकी



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। ग्राम बजरंगगढ़ में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी खाटू श्याम बाबा की शाही पालकी बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बाबा श्याम की शाही पालकी ग्राम बजरंगगढ़ स्थित खाटू श्याम मंदिर से शुरू हुई और गांव के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई श्रीनाथ गोशाला पहुंची।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजनों पर झूमते नजर आए। श्रीनाथ गोशाला पहुंचने पर खाटू श्याम बाबा की भव्य महाआरती की गई, जिसके पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। धार्मिक आयोजनों के इसी क्रम में हर वर्ष की तरह इस साल भी मंगलवार, 17 नवंबर 2026 को बजरंगगढ़ किले पर विशाल अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस अवसर पर पहुंचकर प्रसादी ग्रहण करने का आग्रह किया है।

आरक्षक ने रक्तदान कर बचाई प्रसूता की जान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में अशोकनगर पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों के निर्वहन में भी निरंतर सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अशोकनगर पुलिस के जवानों द्वारा मानव सेवा एवं संवेदनशील पुलिसिंग के दो अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए गए।

शासकीय जिला चिकित्सालय अशोकनगर में पिपरई निवासी एक प्रसूता को गंभीर एनीमिक स्थिति में उपचार हेतु भर्ती कराया गया था। प्रसूता का हीमोग्लोबिन मात्र 05 होने के कारण उन्हें तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। उनका ब्लड ग्रुप अइ नेगेटिव अत्यंत दुर्लभ होने के कारण ब्लड बैंक में उपलब्ध नहीं था। इसकी जानकारी मिलने पर आरक्षक श्री सुखवीर सिंह तत्काल अस्पताल पहुंचे और प्रसूता के जीवन की रक्षा के लिए अपना दुर्लभ अइ नेगेटिव रक्तदान किया। आरक्षक के इस कार्य से जरूरतमंद प्रसूता को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिली।

जवानों ने पहुंचाई राहत

इसी प्रकार थाना नईसराय क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान सहायक उप निरीक्षक भोलाराम एवं आरक्षक वीरेंद्र को एक व्यक्ति ठंड से बुरी तरह कांपता हुआ दिखाई दिया। पुलिस जवानों ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल अपने घर से कंबल लाकर उसे ओढ़ाया तथा ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने की व्यवस्था की। इस प्रकार पुलिस जवानों ने जरूरतमंद व्यक्ति को तत्काल राहत पहुंचाई।

अशोकनगर पुलिस के इन दोनों कार्यों ने यह संदेश दिया कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट और आवश्यकता के समय आमजन की सहायता करना भी उसका महत्वपूर्ण दायित्व है। पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा ने पुलिसकर्मियों के इन मानवीय कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस का मूल उद्देश्य आमजन की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी सेवा और सहायता करना भी है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)